A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 29 अप्रैल, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 193 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

कम मतदान से 'भयातुर' नेता 'भयादोहन' पर उतरे

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

लोकसभा चुनाव में दो चरणों के चुनाव के बाद तीसरे चरण की 94 संसदीय सीटों के लिए राजनीतिक दलों के चुनाव अभियान में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच वाक-युद्ध ने पहले के बनिस्बत ज्यादा तेजाबी रूख अख्तियार कर लिया है। बदलाव का सबब लोकसभा के पहले दो चरणों में सम्पन्न अपेक्षाकृत कम मतदान है। सभी राजनीतिक दलों के नेता मतदान के प्रतिशत में गिरावट से चिंतित हैं। इस गिरावट के कारण नतीजों को लेकर सभी नेता असमंजस में हैं। भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व मतदान के प्रतिशत में इस कमी से खासतौर से परेशान है। भाजपा के रणनीतिकारों की धारणा है कि कम मतदान भारतीय जनता पार्टी के चुनावी-लक्ष्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। जीत की चमक को फीका कर सकते हैं। इसलिए मतदाताओं को चार्ज करना जरूरी है।

लोकसभा के तीसरे चरण का मतदान 7 मई को होगा, जिसमे असम की 4, बिहार की 5, छत्तीसगढ़ की 7, मध्य प्रदेश की 9, महाराष्ट्र की 11, दादर-नगर हवेली और दमन-दीव की 2 सीटों, गोवा की 2, कर्नाटक की शेष बची 14, जम्मू काश्मीर की 1, बंगाल की 4, गुजरात की 25 और उप्र की 10 सीटों के लिए मतदाता वोट डालेंगे।

मतदाताओं को चार्ज करने की गरज से ही ध्रुवीकरण की सुनिश्चित रणनीति के तहत ही शब्द-बाणों को पैना किया जा रहा है। तीखेपन को नए आयाम देने के लिए ही विकास और विश्वास की धुरी पर सधे शब्दों की भाषा में एकाएक कटुता और कुटिलता घुलने लगी है। शायद इसीलिए भाजपा ने प्रचार अभियान की भाषा की शब्दावली में भयादोहन के तत्व घुलने लगे हैं। इसका पहला आभास उस वक्त सामने आया, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक चुनावी सभा में यह कहकर सबको चौंका दिया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो वो आपके मंगलसूत्र छीन लेगी...। चुनाव-अभियान में भयादोहन का इस नए इनपुट के बाद चुनावी-रैलियों की तासीर बदलने लगी है।

चुनावी अभियान में मतदाताओं का भयादोहन एक आजमाया हुआ हथियार है। इस अस्त्र का उपयोग सभी दल अपने-अपने तरीके से करते रहे हैं। इसी चुनाव में भाजपा के रणनीतिकारों के लिए कांग्रेस का यह आरोप सिरदर्द बना हुआ ह कि भाजपा चार सौ सीटें जीतने का बाद भारत का संविधान ही बदल देगी, जिसके कारण हरिजन-आदिवासी और गरीबों के बुनियादी अधिकारों पर ताला लग जाएगा। उनकी जिंदगी मे आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। चुनाव-अभियान की शुरूआत में भाजपा इस आरोप के प्रति ज्यादा संजीदा नहीं थी, लेकिन पहले दो चरणों में कम मतदान में जनता के रूझान में परिलक्षित उदासीनता ने उसे चिंतित कर दिया है।

चुनाव-अभियान के संप्रेषण में बदलाव की यह बानगी 22 अप्रैल, रविवार को राजस्थान के बांसवाड़ा में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण मे देखने को मिली। रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि- पहले जब उनकी सरकार थी, उन्होंने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इसका मतलब ये संपत्ति इकट्ठी करके किसको बांटेंगे? जिसके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बाँटेंगे, घुसपैठियों को बाँटेंगे... क्या आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा? आपको मंजूर है? प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि- कांग्रेस का घोषणा पत्र कह रहा है कि वह माता-बहनों के सोने का हिसाब करेंगे,उनकी जानकारी लेंगे, और फिर वह संपत्ति को बांट देंगे। और उनको बाँटेंगे जिनके लिए मनमोहन सिंहजी ने कहा था कि संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। यह उनका अर्बन नक्सल सोच है, ये आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देंगे।

प्रधानमंत्री ने उलटे कांग्रेस पर यह आरोप जड़ दिया कि कांग्रेस अपनी दुकान से भय, भूख और भ्रष्टाचार बेचती है। मोदी ने एक टीवी साक्षात्कार में जनता को यह आश्वस्त करने का प्रयास भी किया है कि मेरी योजनाओं से किसी को डरना नहीं चाहिए। मैं कोई भी फैसला लोगों को कुचलने के लिए नहीं बल्कि उन्हें और देश को मजबूत करने के लिए लेता हूं। उनका कहना था कि संविधान बदलने का आरोप गफलत पैदा करने का मजमून है। इस पर भरोसा नहीं करना चाहिए। मोदी लोगों के मन यह भाव भी पुष्ट करना चाहते हैं कि इंडिया गठबंधन की सत्ता में परिवादवाद का जिन्न लोकतंत्र की आस्थाओं को फिर निगलने लगेगा।

मोदी के प्रति-उत्तर में राहुल गांधी कहते हैं कि मोदी के राज में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर (आईटी) के जिन्न का आकार निरंतर बढ़ता जाएगा। लोकतंत्र में अपने विरोधियों को खत्म करने के लिए मोदी ने अभी तक जिस प्रकार इन एजेंसियों का उपयोग किया है, वह और बढ़ेगा। संवैधानिक संस्थाओं का क्षरण इसका जीता-जागता उदारहण है। राष्ट्रवादी कांगेस (शरदचंद्र पवार) के नेता शरद पवार ने अमरावती की एक चुनावी सभा में आरोप लगाया कि मोदी लोगों के मन में डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं और पुतिन के नक्शे-कदम पर चल रहे हैं। रूस की सारी व्यवस्था, सारा प्रशासन पुतिन के नाम पर चलता है।

राजद के मुख्य प्रवक्ता सासंद प्रोफेसर मनोज कुमार झा संविधान पर मंडराते खतरे को रेखांकित करते हुए कहते हैं कि सत्रहवीं लोकसभा का यह चुनाव संविधान की रक्षा का चुनाव है और बाबा साहब अंबेडकर ने जो संविधान में अधिकार दिया है, उसे नागपुरिया विधान के माध्यम से कमजोर करने की साजिश चल रही है। उन्होने प्रधानमंत्री से सवाल किया है कि आप संविधान और लोकतंत्र को समाप्त क्यों करना चाहते हैं ? बहरहाल, चुनाव में पक्ष-विपक्ष द्वारा भयादोहन के ये सवाल मतदाताओं के मन में गूंज रहे हैं और कोई भी आश्वस्त नहीं है।

राहुल को शहजादा बता पीएम बोले-राजाओं को गालियां देते हो और सुल्तानों पर बोलती बंद

हुबली में जो हुआ उसने देश में 'भूचाल' ला दिया है

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'राजा-महाराजा' वाले बयान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, शहजादे का कहना है कि भारत के राजा, भारत के महाराजा अत्याचारी थे। ये गरीबों की

- **पीएम बोले-उस बेटी का परिवार ऐक्शन की मांग करता रहा कांग्रेस तुष्टिकरण में व्यस्त रही**

जमीन छीन लेते थे। जब मर्जी तब उसे हड़प लेते थे। कांग्रेस के शहजादे ने छत्रपति जी महाराज और रानी चिनम्मा जैसे महान व्यक्तित्व का अपमान किया है। इनका सुशासन, इनकी देशभक्ति आज भी हम सबको प्रेरित करती है। क्या शहजादे को यह पता है। पीएम मोदी ने सवाल किया कि क्या शहजादे को मैसूर राजघराने का योगदान पता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे का बयान सोच-समझकर वोट बैंक की राजनीति करने के लिए दिया गया। उन्होंने कहा, शहजादे ने तो राजा-महाराजा को बुरा-भला कह दिया। लेकिन भारत के इतिहास में जो अत्याचार नवाबों ने किए, निजामों ने किए, सुल्तानों ने किए... उनकी बात पर तो शहजादे के मुंह पर

ताला लग जाता है। बता दें कि राहुल गांधी ने कहा था, राजाओं-महाराजाओं का राज रहा। जो भी वो चाहते, कर देते थे। किसी की जमीन चाहिए तो उसे हड़प लेते थे।

कांग्रेस पार्टी और हमारे कार्यकर्ताओं ने देश की जनता के साथ मिलकर आजादी प्राप्त की, लोकतंत्र लेकर आए और संविधान दिलवाया। नरेंद्र मोदी ने गुस्से भरे लहजे में कहा कि राजा-महाराजाओं को गालियां दे रहे हो, उनको अपमानित करते हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की मानसिकता अब खुलकर देश के सामने आ रही है।

उन्होंने कहा, हुबली में कॉलेज कैंपस में जो हुआ उसने देश में भूचाल ला दिया है, उस बेटी का परिवार ऐक्शन की मांग करता रहा लेकिन कांग्रेस की सरकार तुष्टीकरण के दबाव को ही प्राथमिकता देती है। उनके लिए नेहा जैसी बेटियों की जिंदगी की कीमत नहीं है, उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता है। बेंगलुरु के कैफे में बम धमाका हुआ तो भी गंभीरता नहीं आई, उन्होंने यहां तक कह दिया कि गैस का सिलेंडर फटा होगा।

अबकी बार 400 पार के नारे को प्रियंका गांधी ने दिया नया ट्विस्ट

महाराष्ट्र के लातूर की रैली में बीजेपी पर हमलावर रहीं कांग्रेस नेता

लातूर (एजेंसी)। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अबकी बार 400 पार' के नारे को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्विस्ट दे दिया। उन्होंने कहा कि लोगों ने मौजूदा सरकार की नाटकीयता को देखा है और उन्हें अपना नया मंत्र दिया है- अबकी बार आप की सरकार, अबकी बार जनता की सरकार। महाराष्ट्र में लातूर जिले के उदगीर में कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन में उन्होंने चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान प्रियंका ने दावा किया कि 45 वर्षों में बेरोजगारी अपने चरम पर है और 70 करोड़ लोगों के पास नौकरियां नहीं हैं, जबकि केंद्र में

30 लाख पद खाली पड़े हैं, जो पिछले 10 साल में नहीं भरे गए। उन्होंने कहा, 'अगर भाजपा दावा करती है कि पिछले 70 वर्षों में कुछ नहीं हुआ तो हम मान लेते हैं आईआईटी, एम्स, बड़े उद्योग आदि अब स्थापित किए गए हैं।

प्रधानमंत्री पद की गरिमा निम्न स्तर पर लाए

पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस लोगों के गहने और छोटी-छोटी बचत को उनकी संपत्ति की जांच कर जब्त करना चाहती है। प्रियंका ने रैली में कहा कि देश ने कांग्रेस से महान प्रधानमंत्रियों को देखा है, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे अन्य दलों के प्रधानमंत्री को भी देखा है लेकिन उन्होंने (मोदी ने) प्रधानमंत्री पद की गरिमा को इस निम्न स्तर पर ला दिया। उन्होंने दावा किया, 'पिछले 10 वर्षों में किए गए काम को लेकर वह वोट नहीं मांग रहे हैं।

सुप्रभात

तब्दीलियों का नाज़ ओ अंदाज़ देखिये
हत्याओं ने नाम मोक्ष धर लिया.
लबरा ऐलानिया कहे - मैं हूं अंतिम सत्य
गुनाह ने अपने बाप का
नाम ईमान लिख लिया
मूंछें शरमा के मुर्झा गयीं सब
पूंछ उठा सलाम करें - फ़रमान कह दिया
हरम में इंसाफ़ ज़नख़ा दरबानी करे
अदाओं ने अदालत में मुकाम कर लिया
हाल चढ़ जाये मुरीद पर जो ख़याल भर
आये उनका
उस नूर को रंगने का
इंतेजाम कर लिया.
कफ़न पर कर रहे हैं रंग गरदी
गेरु माटी ने लगा दी है अर्जी
रंग बदरंग लिखूं अब मेरी मर्ज़ी .....
- नवल शर्मा

यात्रीगण कृपया ध्यान दें, मिलने वाली है बड़ी सुविधा!

अब वंदे भारत मेट्रो ट्रेनों की बारी, जल्द शुरू होगा ट्रायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को लेकर बड़ी खुशखबरी दी है। छोटी दूरी की वंदे मेट्रो ट्रेनों का ट्रायल रन जुलाई में शुरू होगा। इसके अलावा, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का ट्रायल अगले महीने से शुरू हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, वंदे भारत मेट्रो ट्रेनें 100-250 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। अगर वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की बात करें तो ये 1,000 किमी की दूरी को कवर करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत मेट्रो ट्रेनें करीब 124 शहरों तक फर्राटा भरेंगी। इसे

लेकर कुछ रूट्स की पहचान कर ली गई है जिनमें लखनऊ-कानपुर, आगरा-मथुरा, दिल्ली-रेवारी, भुवनेश्वर-बालासोर और तिरुपति-चेन्नई शामिल हैं। एसी वाली इन ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। अनारक्षित कैटेगरी के जरिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को यात्रा का मौका दिया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया, इन ट्रेनों के स्टॉपेज की संख्या अच्छी-खासी होगी और इन्हें ऐसी जगह पर बनाया जाएगा जहां ज्यादा से ज्यादा लोग आसानी से पहुंच सकें। इन वंदे भारत मेट्रो ट्रेनों में 12 कोच होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल, देवास-शाजापुर, राजगढ़ लोकसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को किया संबोधित

जो आतंकवादियों को सम्मान दे वह देशभक्त नहीं हो सकता : मोहन यादव

बैतूल, देवास, राजगढ़। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बैतूल लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री दुर्गादास उइके के समर्थन में घोड़ाडोंगरी विधानसभा के मलाजपुर, देवास-शाजापुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थन में कालापीपल विधानसभा के पोलायकला एवं राजगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री रोडमल नागर के समर्थन में सुसनेर विधानसभा के सुसनेर में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार का चुनाव देश में सुशासन, उन्नति, प्रगति लाने के साथ ही देश से अत्याचार, आतंकवाद, नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने का चुनाव है। यह चुनाव मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण को मुस्कान देने का चुनाव है। कांग्रेस पार्टी ने तो भगवान श्रीराम के आमंत्रण को भी ठुकरा दिया था और अब देश की जनता कांग्रेस को ही ठुकरा देगी। कांग्रेस के मिस्टर बंटाढार तो आतंकवादियों को भी जी कहकर संबोधित करते हैं। ये देशभक्त तो नहीं हो सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर जिले के ग्राम पोलायकला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्रद्धेय स्व. शालिगराम तोमर जी के निवास पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की ओर भोजन किया। मुख्यमंत्री ने नलखेड़ा स्थित प्रसिद्ध मां बगलामुखी देवी के दर्शन व पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह से शिशुपाल की 100 गलतियों के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से उसका अंत किया था। उसी प्रकार अब देश से कांग्रेस पार्टी के अंत करने का भी समय आ गया है। कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी से लेकर अब तक कई महापाप किए हैं। सबसे पहले तो कांग्रेस ने देश का बंटवारा करने का कलंक अपने माथे पर लिया था।

इतनी गर्मी में लोग नहीं डाल रहे वोट, टाइमिंग बदलो

चुनाव आयोग की शरण में पहुंची कांग्रेस, की समय बदलने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी के बीच लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दो चरणों का मतदान हो चुका है। आगामी 7 मई को तीसरे चरण का मतदान होना है। लोकसभा चुनाव के लिए पहले दो चरणों में कम मतदान ने राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग को चिंता में डाल दिया है। इसके पीछे की बड़ी वजह भीषण गर्मी और लू का कहर माना जा रहा है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भी भयंकर गर्मी को देखते हुए कई राज्यों में अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग से मतदान का समय बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि मौसम विभाग की गाइडलाइन्स के मुताबिक, जनता से दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच घरों से बाहर न निकलने की अपील की जा रही है। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग (ईसी) से निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान करने का

समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक बढ़ाने का शनिवार को अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में भीषण गर्मी के मद्देनजर वोट प्रतिशत में कमी आ सकती है। बता दें कि तेलंगाना में 13 मई को चौथे चरण के लिए 17 लोकसभा सीटों के लिए मतदान होना है। कांग्रेस पार्टी को आशंका है कि भीषण गर्मी के कारण लोग मतदान करने से परहेज कर सकते हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज को संबोधन अपने पत्र में, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, 13 विधानसभा क्षेत्रों को छोड़कर मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम पांच बजे के बीच होगा जबकि 17 संसदीय क्षेत्रों में सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक ही चुनाव होंगे। दरअसल, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने भीषण गर्मी को देखते हुए, तेलंगाना के विभिन्न जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 40 °c
न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 29 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

सेक्स स्कैंडल में फंसे पूर्व पीएम देवगौड़ा के पोते प्रज्वल

- कई अश्लील वीडियोज एक साथ हुए वायरल, भाग गए विदेश

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच कर्नाटक की राजनीति में भूचाल आ गया है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और हसन लोकसभा सीट से जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना कथित सेक्स स्कैंडल में फंस गए हैं। कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। इस बीच, प्रज्वल ने देश छोड़ दिया है और वह जर्मनी के फ्रैंकफर्ट चले गए हैं। 26 अप्रैल को हुए कर्नाटक के पहले फेज के मतदान से दो दिन पहले ही सोशल मीडिया पर कई वीडियोज वायरल हुए। वहीं, हासन सांसद ने भी एफआईआर दर्ज करवाते हुए कहा है कि वीडियोज में छेड़छाड़ की गई है और उनकी छवि खराब करने और वोटर्स के दिमाग में जहर भरने के लिए उसे प्रसारित किया जा रहा है।

राजस्थान-गुजरात में पकड़ाई अत्याधुनिक ड्रग्स लैब

- करीब 300 करोड़ रुपए की मेफेड्रोन ड्रग्स हुई बरामद

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एटीएस (आतंकवाद निरोधी दस्ते) और एनसीबी (नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो) ने गांधीनगर और पड़ोसी राज्य राजस्थान में एक साथ चार जगहों पर संयुक्त रूप से छापा मारा और

करीब 300 करोड़ रुपए के मेफेड्रोन (एक तरह का मादक पदार्थ) के साथ 13 लोगों को पकड़ा है। यह छापे शुक्रवार को मारे गए थे, जिनकी जानकारी शनिवार को दी गई। इस दौरान दोनों राज्यों में 3 अति आधुनिक मेफेड्रोन मैन्युफैक्चरिंग लैब्स भी मिलीं। इन छापों को लेकर एक विज्ञप्ति जारी करते हुए एटीएस ने बताया कि, एनानी और राजपुरोहित के साथ-साथ उनके सहयोगियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई।

आरक्षण का समर्थक है आरएसएस, झूठे वीडियो फैलाते हैं लोग

- लोकसभा चुनाव के बीच संघ प्रमुख मोहन भागवत की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोकसभा चुनावों के बीच आरक्षण पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि संघ परिवार ने कुछ समूहों को आरक्षण देने का कभी विरोध नहीं किया है। हैदराबाद में एक शैक्षणिक संस्थान में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। भागवत ने कहा कि संघ का मानना है कि आरक्षण तब तक दिया जाना चाहिए जब तक कि इसकी जरूरत है।

आरक्षण को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच छिड़े वाकयुद्ध के बाद भागवत ने यह टिप्पणी की है। मोहन भागवत ने कहा कि आरक्षण और संघ को लेकर फेक वीडियो फैलाया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इस बारे में हम बाहर नहीं बोल सकते हैं। यह सब पूरी तरह से झूठ है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने पिछले साल नागपुर में कहा था कि जब तक समाज में भेदभाव है तब तक आरक्षण दिया जाना चाहिए।

चुनाव के बीच दिल्ली में अरविंदर लवली ने फोड़ा 'इस्तीफा' बम

एएपी-कांग्रेस दोनों की बढ़ी टेंशन, बीजेपी की होगी बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली कांग्रेस के कैप्टन ने रिजाइन कर दिया है। लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मैच से पहले कैप्टन के रिजाइन से पार्टी सकते में हैं। खबर है कैप्टन साहब टीम में अपनी अनदेखी से नाराज से थे। इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी से गठबंधन के आलाकमान के निर्णय पर भी सवाल उठाए हैं। खास बात है कि इस इस्तीफे से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन में टेंशन बढ़ गई है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच हुए गठबंधन को लेकर गतिरोध भी सामने आ गया है। अब सवाल है कि चुनाव से ठीक कुछ दिन पहले यह कलेश पार्टी को कितना नुकसान पहुंचाएगा। बीजेपी से मुकाबला करने के लिए काफी लंबी जद्दोजहद के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच तालमेल हुआ था। इस तालमेल से पहले कांग्रेस में लंबी चर्चा चली थी। कांग्रेस का एक धड़ा शुरू से ही आम आदमी पार्टी से गठबंधन किए जाने के विरोध में था। गठबंधन का विरोध करने वालों में अरविंद सिंह लवली के साथ ही दिल्ली के पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित जैसे नेता भी थे। पार्टी में एक धड़े का मानना था कि आम आदमी पार्टी से गठबंधन करके कांग्रेस अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रही है। पार्टी के नेताओं का कहना था कि एएपी ने ही दिल्ली में कांग्रेस के जनाधार को कम किया है। ऐसे में पार्टी उसी दल के साथ समझौता कर अपने वोटरों की नाराजगी मोल ले रही है। हालांकि, पार्टी आलाकमान ने स्थानीय स्तर के नेताओं की राय को दरकिनार करते हुए राष्ट्रीय स्तर का हवाला देते हुए तालमेल किया था। समझौते के तहत पार्टी ने दिल्ली की 7 में 3 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान ने भले ही आम आदमी पार्टी के साथ हाथ मिला लिया है लेकिन जमीनी स्तर के कार्यकर्ता इस फैसले को पचा नहीं पा रहे हैं। अब चूंकि प्रदेश अध्यक्ष ने खुद ही इस गठबंधन पर सवाल उठाते हुए इस्तीफा दे दिया है।

- आप के साथ गठबंधन को लेकर घेरा,आलाकमान से भी जताई नाराजगी

जीत का 'छक्का' लगाने चुनावी पिच पर उतरे अधीर!

- बंगाल में 'दादा' का है बड़ा क्रेज, लोग बुलाते हैं-रॉबिनहुड

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में बंगाल की बहरामपुर सीट पर इस बार काफी रोचक मुकाबला है। यहां विपक्षी गठबंधन में ही कांटे का मुकाबला है। एक तरह 'दादा' निकनेम से प्रसिद्ध कांग्रेस नेता और बहरामपुर के सिटिंग

सांसद अधीर रंजन चौधरी हैं, जो कई बार सदन में बोलते हुए अपना धीरज खोते नजर आए, लेकिन बंगाल की बेहद कठिन राजनीतिक लड़ाई में उन्होंने कभी अपना धैर्य नहीं खोया। वो यहां से पांच बार सांसद रह चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ टीएमसी प्रत्याशी यूसुफ पठान मैदान में हैं। बहरामपुर क्षेत्र में बेताज बादशाह कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ही हैं। यहां से वह पांच चुनाव जीत चुके हैं। गरीबों के मसीहा और रॉबिनहुड के नाम से जाने जाते हैं।

'संतोष चौबे' के निबंध संग्रह 'परम्परा और आधुनिकता' हुआ लोकार्पित

भोपाल। वरिष्ठ कवि-कथाकार, निदेशक विश्व रंग एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के ताजा निबंध संग्रह 'परम्परा और आधुनिकता' का लोकार्पण 27 अप्रैल को स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल के 'वनमाली सभागार' में समारोह पूर्वक किया गया। यह आयोजन वनमाली सृजन पीठ एवं

आईसेक्ट पब्लिकेशन, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार ए. अरविन्दाक्षन ने कहा कि परंपरा और आधुनिकता की बहस बहुत पुरानी है। इस विषय पर इस दौर में यह पुस्तक आना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने केरल की आयुर्वेदिक पद्धति का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे एकत्र की गई जड़ीबूटियों में से विशेषज्ञ जरूरी जड़ी-बूटियों को काम के लिए रखता है और जहरीली या गैरजरूरी चीजों को अलग करते है ठीक उसी दृष्टि को बरतते हुए संतोष चौबे अपने निबंधों में बहुमूल्य विषयों को शामिल करते है।

अपनी रचना प्रक्रिया पर संतोष चौबे ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मनुष्य की पहचान साहित्य, कला और संस्कृति से स्थापित होती है। कलाएँ जीवन में शीतल छाँव की तरह होती हैं। साहित्य, कला और संस्कृति हमें नई जीवन दृष्टि प्रदान करते है। इस पुस्तक में समाहित निबंधों से परंपरा और आधुनिकता को देखने की नई दृष्टि मिली है।

कार्यक्रम में बीज वक्तव्य रखते हुए वरिष्ठ कवि-आलोचक जितेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि एक मुक्त दृष्टि से भारतीय परंपरा को समझने का गंभीर चिंतन है यह पुस्तक। चिंतक का काम तथ्यों से ही प्रासंगिक होता है। संतोष चौबे सही तरह से तथ्यों को देखते परखते हैं। वे उद्दात्त भाव से जीवन मूल्यों तक पहुँचते हैं। इस पुस्तक के सभी निबंध नये ढंग से सोचने की दृष्टि देते हैं।

इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन में वनमाली सृजन पीठ भोपाल के अध्यक्ष वरिष्ठ कथाकार मुकेश वर्मा ने कहा कि यह पुस्तक वैचारिक निबंधों का महत्वपूर्ण संकलन है। संतोष चौबे ने अपनी लंबी वैचारिक यात्रा के जीवनानुभवों को निबंधों के रूप में इस पुस्तक में संकलित किया है।

वरिष्ठ कथाकार अखिलेश ने कहा कि इस पुस्तक में परंपरा और आधुनिकता अंतरध्वनि के रूप में विद्यमान है। संतोष चौबे परंपरा और आधुनिकता दोनों को समान रूप से वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिभाषित करते हैं। रचनात्मकता और विविधताओं का शिखर इन निबंधों में मिलता है।

वरिष्ठ कथाकार और आलोचक भालचन्द्र जोशी ने कहा कि संतोष चौबे परंपरा और आधुनिकता को समग्रता में देखने के पक्षधर है। इस पुस्तक के निबंधों में नई जीवन दृष्टि समाहित है।

रजनी गुप्त ने कहा कि 'परम्परा और आधुनिकता' पुस्तक कलाओं की आपसदारी में नये क्षितिज तलाशती है। संतोष चौबे इस पुस्तक के निबंधों में मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के मानवीय मूल्यों को बहुत अधिक महत्व देते हैं।

आभार वरिष्ठ कवि बलराम गुमास्ता ने व्यक्त किया। लोकार्पण समारोह का सफल संचालन युवा कथाकार एवं वनमाली कथा के संपादक कुणाल सिंह द्वारा किया गया तथा संयोजन वनमाली सृजन पीठ की राष्ट्रीय संयोजक ज्योति रघुवंशी द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, वाइस चांसलर डॉ. अजय भूषण और रजिस्ट्रार डॉ. सितेश कुमार सिन्हा के अलावा बड़ी संख्या में रचनाकारों, कलाकारों, साहित्यप्रेमियों, शोधार्थियों, प्राध्यापकों आदि ने भागीदारी की।

स्थापना दिवस पर आयोजन

भोपाल। भारतीय शिक्षण मंडल ने आरएसएस के 55वें स्थापना के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथियों में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री शंकरानंद, क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख प्रवेश विजयवर्गीय तथा एयर कमोडोर वायुसेना आशुतोष मुख्य रूप से उपस्थित रहे । इस अवसर पर क्षेत्रीय संपर्क के प्रमुख प्रवेश विजयवर्गीय ने कहां की दे देवता और देश@47 की शेष अवधि में हमें विकसित भारत को विकासशील भारत बनाना है। हमें स्वाधीनता तो मिल गई है लेकिन वैचारिक स्वतंत्रता नहीं मिली है। विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किस दिशा में हमें कार्य करना है।

एएपी के 'जेल का जवाब वोट से' गाने पर लगा ब्रेक

ईसी का आदेश-कैंपेन सॉन्ग बदलें,इससे न्यायपालिका की छवि खराब हो रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने अपने पत्र के माध्यम से आम आदमी पार्टी (आप) के कैंपेन सॉन्ग जेल का जवाब वोट से देंगे पर रोक लगा दी है। रविवार को केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि यह पहली बार हुआ होगा कि किसी राजनीतिक पार्टी के कैंपेन सॉन्ग पर चुनाव आयोग ने रोक लगाई है। हमारे कैंपेन सॉन्ग में कहीं पर भी आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है। चुनाव आयोग ने आम आदमी पार्टी को केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 और ईसीआई दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित विज्ञापन कोड के अनुसार अपने चुनाव कैंपेन गीत की सामग्री को संशोधित करने और संशोधन के बाद फिर से सर्टिफिकेशन के लिए सबमिट करने के लिए कहा है। इस पर आम आदमी पार्टी ने कहा कि बीजेपी की तरफ से

चुनावी आचार संहिता की रोज धज्जियां उड़ाई जा रही है लेकिन, चुनाव आयोग उस पर कुछ नहीं करता। ईडी सीबीआई का उपयोग करके विपक्ष के नेताओं को जेल में डाला जाता है तो उस पर चुनाव आयोग को कोई आपत्ति नहीं होती है लेकिन, जब आम आदमी पार्टी इस तथ्य को गाने में लिख देती है तो उससे दिक्कत होती है।

संकट मोचन संगीत समारोह

2006 में महंत वीरभद्र मिश्र ने मुस्लिम कलाकारों के लिए खोल दिये थे मंदिर के द्वार

राजेन्द्र शर्मा
(लेखक कलाविज्ञ और उप्र सरकार में अधिकारी हैं)

साल 2006 का माह मार्च । संकट मोचन संगीत समारोह के मुख्य कर्ताधर्ता महंत वीरभद्र मिश्र अगले माह आयोजित होने वाले 83वें संकट मोचन समारोह की तैयारियों में जुटे । एकाएक सात मार्च 2006 का वाराणसी में कैंट स्टेशन और संकट मोचन मंदिर में सीरियल बम ब्लास्ट से वाराणसी कांप गया । इस आतंकी हमले के बाद क्या हिंदू और क्या मुसलमान सभी आशंकित कि गंगा जमुनी तहजीब से लबालब वाराणसी का सौहार्द बचेगा भी या नही । ऐसे कठिन समय में दूरदर्शी महंत वीरभद्र मिश्र ने ऐताहासिक फैसला लिया कि अगले माह होने वाले संकट मोचन संगीत समारोह के 83वें आयोजन में मुस्लिम कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जायेगा। गौरतलब है कि वर्ष 1923 से निर्वाध रुप से आयोजित संकट मोचन संगीत समारोह में वर्ष 2005 तक मुस्लिम कलाकारों को नही बुलाया जाता था ।

संकट मोचन संगीत समारोह के आयोजन स्थल संकट मोचन मंदिर का अपना एक इतिहास है। वाराणसी में दुर्गाकुंड क्षेत्र में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के निकट स्थित संकट मोचन मंदिर एक ऐतिहासिक मंदिर है और इसमें रखी भगवान हनुमान की मूर्ति को बाबा संकटमोचन कहा जाता है और मंदिर को संकटमोचन मंदिर। मूर्ति के बारे में कहा जाता है कि इसे कवि गोस्वामी तुलसीदास ने स्वयं अपने हाथों से गढ़ा था और तब एक छोटा-सा मंदिर बाद में विस्तृत होता गया। ऐसी भी मान्यता है कि 16वीं शताब्दी में तुलसीदास ने पवित्र हिंदू ग्रंथ रामचरितमानस् का एक अच्छा-ख़ासा हिस्सा वहीं रहकर लिखा था। संभवतः धार्मिक रुप से अत्यन्त महत्वपूर्ण मंदिर परिसर में मुस्लिम कलाकारों की

हिस्सेदारी की मनाही रही होगी परन्तु महंत वीरभद्र मिश्र ने परम्पराओं को तोड़ते हुए मुस्लिम कलाकारों को बुलाया जाने का निर्णय ले लिया तो ले लिया था ।

महंत वीरभद्र मिश्र के इस फैसले का कट्टरपंथी लोगों ने धीमे स्वर में विरोध भी किया परन्तु समय के शिलालेख पर इतिहास रचने वाले महंत वीरभद्र मिश्र टस से मस नही हुए और 83वें संकट मोचन संगीत समारोह में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के भांजे मुमताज खां ने शहनाई बजाकर अपनी हाजिरी लगायी और संकट मोचन संगीत समारोह में शिरकत करने वाले पहले मुस्लिम कलाकार बनें । मुस्लिम कलाकार की मंदिर में हाजिरी को लेकर कोई प्रतिरोध नहीं, कोई गुस्सा नहीं, सभी को संगीत से मतलब है और संगीत किसी मजहब का नही,सब का है। इसके बाद से मुस्लिम कलाकारों हर बरस अपनी हाजिरी लगा रहे है। इसके बाद तलत अजीज, बॉलीवुड गायक जावेद अली, कमाल साबरी, उस्ताद निशात खां, उस्ताद मोइनुद्दीन खां, अरमान खान, बिलाल खान, उस्ताद राशिद खान, उस्ताद मुराद अली, शाकिर खान, शमीउल्लाह खान, उस्ताद शाहिद परवेज खान आदि कलाकारों ने हनुमत प्रभु के पांव पखारे। शताब्दी वर्ष में आए थे 11 मुस्लिम कलाकारबीते साल संकट मोचन संगीत समारोह का शताब्दी वर्ष खास था। इस साल सबसे ज्यादा 11 मुस्लिम कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी थीं। इस बार भी उस्ताद अकरम खां, अरमान खान, बिलाल खां अपनी प्रस्तुति देंगे। संकट मोचन मंदिर के वर्तमान महंत बिशम्भर नाथ मिश्र ने अपने पिता की नक्शे कदम पर चलते हुए देश ही नही विदेशी कलाकारों के लिए भी मंदिर के द्वार खोलने का अदभुत काम किया। इसकी शुरुआत किसी और ने नहीं बल्कि इसके बाद 2014 में जब पाकिस्तान के फनकार गुलाम अली ने यहां हाजिरी लगाई तब इस समारोह में और व्यापक रूप ले लिया। गुलाम अली दो बार इस समारोह में अपनी हाजिरी लगा चुके है । पहली बार वर्ष 2014 में जब गुलाम अली की खबर सामने आई तो उन्हें कट्टरपंथियों के विरोध का सामना करना पड़ा था। फिर भी वो आए और अपनी प्रस्तुति देकर हर किसी को अपना मुरीद बना लिया।

साल 2016 में गजल सम्राट गुलाम अली ने संकट मोचन संगीत समारोह में जब अपनी हाजिरी लगायी तो गुलाम अली के मंच पर आते ही श्रोताओं के बीच में से हंगामा क्यूं बरपा है... .की फरमाइश की आवाज गूंजने लगी। मंदिर का प्रांगण गुलाम अली पशोपेश में कि क्या करें । इस बीच फरमाइश की आवाज बढती जा रही थी। इसी पशोपेश में गुलाम अली ने मंदिर के महंत प्रो. बिशम्भर मिश्र की ओर देखा। मंहत जी गुलाम अली की परेशानी और श्रोताओं की दीवानगी को समझ चुके थे। फरमाइश की बढते शोर के बीच महंत प्रो. बिशम्भर मिश्र ने गुलाम अली को गो एहेड का इशारा किया। इसके बाद गुलाम अली ने श्रोताओं की फरमाइश को पूरा किया।

मंदिर का प्रांगण, पाकिस्तानी मुस्लिम गायक और हंगामा क्यूं बरपा है थोड़ी सी जो पी ली है..'से पोंगा पंडित सोच को प्रो. बिशम्भर मिश्र को घेरने का अवसर मिल गया । पत्रकारों ने जब उनसे हंगामा क्यूं बरपा है थोड़ी सी जो पी ली है..' गवाये जाने पर सवाल किया तो महंत जी ने सहज रुप से हंसकर कहा - 'हम भी तो रोज पीते है चरणामृत। छोड़िये जाने दीजिये, गुलाम अली आतंकवादी नहीं है, कलाकार हैं और कलाकार को किसी देश, जाति, मज़हब की दृष्टि से नही देखना चाहिये, पहले जाकर पता करिये सूफी संगीत क्या है, तब गुलाम अली को समझेंगे। हिंदू मुश्लिम के चश्में से कलाकार को मत देखिये ।

संकट मोचन संगीत समारोह अपने एक सौ एक वें आयोजन तक आते आते अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हो चुका है। हालांकि पोंगा पंडित टाईप लोग महंत बिशम्भर नाथ मिश्र के द्वारा लिये फैसलों की दबी छिपी जुबान में विरोध भी करते रहते है परन्तु अपने पिता वीरभद्र मिश्र से पाये संस्कारों के चलते महंत बिशम्भर नाथ मिश्र इस विरोध से जरा भी विचलित नही होते और कहते है कि संकट मोचन संगीत समारोह का प्रारूप संगीत और संस्कृति की पूरी अवधारणा को धार्मिक होने से बचाता है। संगीत समारोह और गंगा में एकरूपता है। जैसे गंगा सभी के लिए हैं, वैसे ही संकट मोचन का मंच भी सभी के लिए है। ये सभी के लिए जीवन के अविकल और निर्विवाद आधार हैं।

इंदौर के 100 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में छापे

एफआईआर के बाद पुलिस का एक्शन, निपानिया और मदीना नगर पहुंची पुलिस

इंदौर (नप्र)। नगर निगम में 107 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी है। रविवार को सुबह पुलिस पहले अपटॉउन निपानिया में आरोपी राहुल वडेरा के यहां दबिश दी। इसके बाद मदीना नगर स्थित आरोपी मोहम्मद सिद्दीकी के घर पहुंची। दोनों जगहों पर नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस और निगम की टीम ने 8 जगहों पर छापेमारी की है। पुलिस ने आरोपियों के घर में सर्चिंग की। पुलिस ने इस मामले में शुक्रवार रात को एक एफआईआर दर्ज की थी। नगर निगम का यह घोटाला अब 107 करोड़ तक पहुंच गया है। पांचों कंपनियों ने वर्ष 2015 से वर्ष 2022 तक 107 करोड़ रुपए के 188 बिल वित्त विभाग में प्रस्तुत किए। वर्ष 2022 के पहले इन फर्मों द्वारा प्रस्तुत सभी 168 बिलों के एवज में 79 करोड़ का भुगतान हो चुका है।सिर्फ 20 बिल से जुड़ा 28 करोड़ रुपए का भुगतान रुका है। इन पांचों फर्म नींव कंस्ट्रक्शन (मो. साजिद), ग्रीन कंस्ट्रक्शन (मो. सिद्दीकी), किंग कंस्ट्रक्शन (मो. जाकिर), क्षितिज इंटरप्राइजेस (रेणु वडेरा) और जाह्नवी इंटरप्राइजेस (राहुल वडेरा) के खिलाफ नगर निगम एफआईआर दर्ज करवा चुका है। पुलिस ने इन आरोपियों पर 10 हजार रु. का इनाम भी घोषित किया है। निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने इन सभी फर्मों को ब्लैक लिस्टेट कर इनके सारे भुगतान पर रोक लगा दी है।

देर रात एफआईआर दर्ज

एमजी रोड पुलिस ने फर्जी बिल बनाकर नगर निगम में पेश करने के मामले में शुक्रवार देर रात एक और एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस ने इसमें तीन आरोपी बनाए हैं। एमजी रोड पुलिस के मुताबिक मोहम्मद साजिद, निवासी खजराना नगर, मोहम्मद सिद्दीकी, निवासी मदीना नगर और राहुल वडेरा निवासी आशीष नगर को आरोपी बनाया है। तीनों पर शुक्रवार देर रात धारा 420 सहित धोखाधड़ी की अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

निगम की समिति भी कर रही जांच

पुलिस के साथ ही निगम की आंतरिक समिति भी जांच कर रही है। बीते 10 सालों में इन फर्मों को कितना भुगतान हुआ है। उन सभी कामों का भौतिक सत्यापन भी करवाया जा रहा है। 188 में से 10 फाइलें जनकार्य, उद्यान सहित अन्य विभागों की बताई जा रही हैं। हैरानी यह है कि इन फर्मों को सारा भुगतान हो चुका है जबकि कई ऐसे भी ठेकेदार हैं जो पिछले भुगतान के लिए निगम के चक्कर लगा रहे हैं। वर्ष 2022 के पहले इन पांचों फर्मों ने अपना सारा भुगतान निगम से ले लिया।

महापौर सरकार से जांच की मांग कर चुके हैं

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नगर निगम में हुए 28 करोड़ रु. के फर्जी बिल घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रमुख सचिव (नगरीय प्रशासन) को पत्र लिखा है। इसमें अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं कि उन्होंने इतने लम्बे समय तक घोटाले को क्यों छिपाए रखा? घोटाले की फाइलें कार में क्यों रखी थी और कैसे चोरी हो गई? उन्होंने 2022 से पहले हुए नाला ट्रैपिंग की भी जांच की मांग की है।

इंदौर में मई में फिर सस्ता होगा सोना

70 हजार तक लौट सकते हैं भाव, 1 हफ्ते में आ गई इतनी बड़ी गिरावट..

इंदौर(नप्र)। इजराइल और ईरान के बीच युद्ध टलते दिखने का असर सोना-चांदी मार्केट पर पड़ा है। जिस रफ्तार से सोना उछला था, अब उसमें रिवर्स गियर लगा है। चार दिन से लगातार सोने का भाव गिरा है। 17 अप्रैल को सोना पहली बार 75 हजार की रिकॉर्ड कीमत को पार कर गया था। लेकिन, अब वापस 72 हजार रुपए पर आ गया है।इंदौर के सराफा व्यापारियों का कहना है कि अभी सोने के भाव में गिरावट का यह दौर जारी रहेगा। मई के दूसरे हफ्ते तक सोने के भाव 70 हजार के आस पास आ सकते हैं। हालांकि, इस साल के आखिर में आते-आते सोना महंगा ही होगा। भाव 80 हजार के पार जाने का अनुमान जताया है।

वो वजह, जिसके कारण गिर रहे सोने के भाव...

1. अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में निवेशकों और सटोरियों की मुनाफा वसूली की बिकवाली बढ़ने के कारण सोने की कीमतों में गिरावट।
2. इजराइल और ईरान के बीच युद्ध टलता दिख रहा है। जिस वजह से मिडिल ईस्ट में पॉलिटिकल क्राइसिस में सुधार देखा जा रहा है। जिससे सोने के भाव में बढ़ोतरी रुकी हुई है।
3. सराफा व्यापारियों का मानना है कि सोने के भाव 75 हजार तक जाने की वजह से ग्राहकी कमजोर होने और डिमांड गिरने से भाव में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

एअरफोर्स के रिटायर्ड अफसर का बैग चोरी

आशाराम आश्रम में फंक्शन में शामिल होने इंदौर आए थे

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तेजाजी नगर में एयरफोर्स से रिटायर्ड अफसर का बैग चोरी हो गया। वह अहमदाबाद से इंदौर आशाराम आश्रम में कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ वारदात हो गई। पुलिस के मुताबिक उनके बैग से नकदी और मोबाइल गायब हुआ है। तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक घटना आशाराम बापू आवास ग्रह की है। अहमदाबाद में रहने वाले विजयपाल सिंह चौहान यहां आए थे। फंक्शन के बाद रात में 1 बजे अपने रूम में सो गए। इसके बाद सुबह 4 बजे उठे और समय देखने के लिये मोबाइल देखने लगे। लेकिन मोबाइल नहीं मिला। नजदीक ही रखा बैग भी नहीं था। इसके बाद बाकी साथियों को उठाया। सुबह सर्चिंग की तो गार्डन में नजदीक ही मेरा सूटकेस पड़ा मिला। उसमें कपड़े और मोबाइल की सिम मिल गई। लेकिन नकदी रखा हुआ बैग और मोबाइल नहीं मिला। बाद में साथी के साथ तेजाजी नगर थाने पहुंचे ओर मामले में केस दर्ज कराया है।

बावड़ी में मिला युवक का शव

पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम की मदद से निकाला, पहचान करने में जुटी पुलिस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजेन्द्र नगर में शनिवार शाम एक बावड़ी से एक शव पड़ा मिला। सूचना के बाद पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल पहुंचाया है। राजेन्द्र नगर पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम एबी रोड की वाइन शॉप के पास एक खुली बावड़ी में युवक के शव होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंचकर उसे बाहर निकाला गया। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। लगभग उसकी उम्र 40 साल बताई जा रही है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

किसान की दो कारों सहित तीन के कांच फोड़े

रास्ते से ईंट हटाने को लेकर पिता-पुत्र और रिश्तेदारों ने किया लाठियों से हमला, महिलाएं भी घायल

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा में एक किसान और परिवार की महिलाओं के साथ पड़ोसियों ने मारपीट की। इतना ही नहीं आरोपियों ने एक के बाद एक तीन कारों के कांच फोड़ दिए। इसमें से दो गाड़ियां किसान की थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।बाणगंगा पुलिस के मुताबिक मामला ग्राम भांग्या का है। शनिवार रात अरुण मालवीय अपने रिश्तेदार के यहां एअरपोर्ट रोड पर शादी सामारोह में शामिल होने पहुंचे थे। रात 11 बजे वह शादी समारोह से वापस आ रहे थे। राधेश्याम और सुरेश ने अपने घर के पास रास्ते में ईंट जमा रखी थी। इस कारण कार निकलने में दिक्कत हो रही थी।इस दौरान अरुण मालवीय कार से उतरकर ईंटें हटाने लगे। राधेश्याम तब बाहर आए और अपशब्द कहने लगे। रोकने पर राधेश्याम ने अपने घर से अन्य लोगों को बुला लिया। वह लाठियां लेकर बाहर आए और अरुण पर हमला कर दिया। बचाव करने आई अरुण की भाभी संगीता और पत्नी संतोषी पर हमला कर दिया।इतना ही नहीं आरोपियों ने अरुण की कार भतीजे सचिन मालवीय की कार और जमाई अजय मालवीय की कार के कांच फोड़ दिए।

बहन के साथ टहल रही युवती के सामने अश्लीलता

इंदौर (नप्र)। इंदौर के द्वारकापुरी में अपनी बहन के साथ टहल रही एक युवती से अश्लीलता का मामला सामने आया है। आरोपी ने पता पूछने के बहाने युवतियों के सामने अपने कपड़े खोल दिए। पीड़िता वहां से भागते हुए अपने घर की तरफ आई। इस दौरान आरोपी मौके से भाग गया। पुलिस अब उसकी तलाश कर रही है। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक मामला सेल्स टैक्स कॉलोनी का है। यहां 29 साल की युवती ने बताया कि वह अपनी बहन के साथ रात में खाना खाकर टहल रही थी। तभी वहा नकाबपोश युवक बाइक से आया। उसने दोनों को रोका और पता पूछने लगा। बाइक पर ही बैठे हुए ही युवक ने दोनो युवतियों के सामने अश्लील तरीके से अपने कपड़े खोल दिए और घूरने लगा।

इंदौर पहुंचे बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री , एयरपोर्ट गूंजा जय-जय श्रीराम से

बैंडबाजे के साथ निकली कलशधारी महिलाएं, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

इंदौर (नप्र)। सिद्धपीठ बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा इंदौर के कनकेश्वरी मैदान में रविवार से शुरू होने से पहले दोपहर को रेडिमेड कॉम्पलेक्स सफेद मंदिर के कलश यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में कलशधारी महिलाएं और भाजपा नेताओं के साथ ही श्रद्धालु शामिल हुए। कलश यात्रा सुबह 10 बजे निकलने वाली थी, लेकिन 11:50 बजे कलश यात्रा शुरू हो सकी, जो 12:25 बजे कथास्थल पहुंची। कलश यात्रा में बैंडबाजे और बग्घियां शामिल थीं। इस दौरान भजनों पर श्रद्धालु थिरकते हुए चल रहे थे।

कलश यात्रा में विधायक रमेश मेंदोला और भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। इधर, दोपहर को बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री विमान से इंदौर पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक पहुंचे और पूरा परिसर जय जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। श्रीमद् भागवत कथा के पहले दिन रविवार को कलश यात्रा के बाद शाम को भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या भी होगी। उल्लेखनीय है कि कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से होगी। बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 4 मई तक रोजाना शाम 4 बजे से 7 बजे तक कथा सुनाएंगे। कथा के लिए एक लाख वर्गफीट में तीन पंडाल बनाए गए हैं, जिसमें हजारों भक्तों के बैठने के लिए समुचित बैठक व्यवस्था रहेगी। राजस्थान के मुख्य आध्यात्मिक केंद्र खाटू श्याम मंदिर की प्रतिकृति मंच पर बनाई गई है, जिसमें खाटू श्याम बाबा का दरबार भी बनाया गया है। कथा के दौरान रोजाना भगवान का विशेष शृंगार होगा और महाआरती की जाएगी। कथा के साथ-साथ भजन संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

दिव्य दरबार 2 मई को लगेगा

आयोजकों ने बताया कि बागेश्वर धाम सरकार का 2 मई को दिव्य दरबार भी लगेगा, जिसमें दुखी पीड़ित व्यक्तियों की अर्जी भी लगेगी। पं. शास्त्री कथा में विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करेंगे। सात दिनों तक जमकर भक्ति की धारा बहेगी। इस कथा में इंदौर सहित प्रदेशभर के भक्त जुटने की संभावना है। शुक्रवार को विधायक रमेश मेंदोला ने कथा स्थल की तैयारी का जायजा लिया था।

पति-पत्नी पर गुंडों ने किया चाकू-डंडों से हमला

पति को गर्दन-चेहरे पर चाकू मारे, पत्नी को भी पीटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के खजराना में रहने वाले एक दंपती पर दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में पति के चेहरे और गर्दन पर चोटें आई हैं। वहीं पत्नी को बचाव के दौरान लात घूंसो से पीट दिया। पीड़ित मामले में थाने पहुंचा। यहां पुलिस ने मामूली धाराओं में केस दर्ज कर पीड़ित परिवार को रवाना कर दिया।खजराना पुलिस के मुताबिक जावेद अली निवासी तंजीम नगर खजराना की शिकायत पर वहीद और अकरम के खिलाफ सामान्य मारपीट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जावेद अली ने बताया कि वह अपनी मम्मी से मिलने हीना पैलेस कॉलोनी गया था।शनिवार रात करीब 11 बजे वह पत्नी सबीना के साथ यहां से पैदल वापस आ रहा था। हिना कॉलोनी मैदान में वहीद और अकरम बैठे हुए थे। यहां दोनों कमेंट्स करने लगे। मैंने रोका तो दोनों ने विवाद शुरू कर दिया। अपशब्द कहते हुए लात घूंसो से मारपीट कर दी।पत्नी सबीना ने बीच में आकर बचाव किया। तो अकरम लकड़ी लेकर आया और पीटना शुरू कर दिया। वाहिद ने चाकू निकालकर चेहरे और गर्दन पर वार किया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए। पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया है।

ओंकारेश्वर से आ रहे युवक पर चाकू से हमला- मल्हारगंज में भी दो दोस्तों पर तीन आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में एक युवक को सिर में चोट आई है। पुलिस ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। युवराज सेन निवासी आराधना नगर ने बताया वह अपने दोस्त अक्षय के साथ ओंकारेश्वर गया था।बड़ा गणपति पर रेड सिग्नल होने के चलते वह रुक गया। इस दौरान वहां मुकुल वाजपेयी, जय्यू और कालू निवासी बड़ा गणपति पहुंचे। मुकुल ने पूर्व से चले आ रहे विवाद के चलते अपशब्द कहे और बाइक की चाबी निकाल ली। इसके बाद जय्यू और कालू ने लात घूंसों से पीटा।

सड़क दुर्घटना में युवक ब्रेन डेड, हार्ट और लंग्स अहमदाबाद के मरीजों को ट्रांसप्लांट

इंदौर (नप्र)। एक युवक की ब्रेन डेड के बाद उसके ऑर्गन्स पांच मरीजों को ट्रांसप्लांट किए गए। इनमें हार्ट और लंग्स अहमदाबाद के मरीजों को, दोनों किडनियां और लिवर इंदौर के मरीजों को ट्रांसप्लांट किए गए। इसके लिए 56वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। एक कॉरिडोर विशेष ज्युपीटर हॉस्पिटल से चोइथराम हॉस्पिटल और दूसरा एयरपोर्ट तक के लिए बनाया गया। मामला सुनील राजपूत (24) निवासी छिदगांव तमोली रहटगांव (हरदा) है। सड़क दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस पर उसे विशेष ज्युपीटर हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। शनिवार को डॉक्टरों की टीम ने उसे ब्रेन डेड घोषित किया। इसके बाद मुस्कान ग्रुप के सेवादार जीतू बगानी, संदीपन आर्य व डॉक्टरों ने परिजन की अंगदान को लेकर काउंसलिंग की तो उन्होंने सहमति दी। शाम को इसके लिए दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। इसमें हार्ट और लंग्स के लिए हॉस्पिटल से एयरपोर्ट तक कॉरिडोर बनाया गया। फिर वहां से हार्ट और लंग्स को प्लेन से अहमदाबाद रवाना किया गया। एक किडनी और लिवर ज्युपीटर हॉस्पिटल में एडमिट मरीज को ट्रांसप्लांट की गई। दूसरी किडनी के लिए चोइथराम हॉस्पिटल तक के लिए कॉरिडोर बनाया गया और वहां ट्रांसप्लांट की गई।

इंदौर में 8 मुस्लिमों ने अपनाया हिंदू धर्म

खजराना गणेश मंदिर में विधि विधान से किया धर्म परिवर्तन

इंदौर (नप्र)। इंदौर में शनिवार को मुस्लिम समाज के 8 लोगों ने हिंदू धर्म अपना लिया। इनमें इंदौर के खजराना इलाके के 3 और 5 मंदसौर जिले के रहने वाले हैं। इन आठ लोगों में तीन महिलाएं भी हैं। ये सभी भगवा वस्त्र पहनकर खजराना मंदिर पहुंचे, जहां विधि-विधान से इनका धर्म परिवर्तन कराया गया। इस दौरान इन्होंने कहा कि सनातन धर्म से बहुत पहले से प्रभावित थे। इसका न प्रारंभ है और न अंत है।विहिप नेता संतोष शर्मा ने बताया कि खजराना गणेश मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ इनकी घर वापसी कराई गई।

अब परवीन बी से पल्लवी, इरफान से ईश्वर, गफ्फार से गोविंद, मोहम्मद यूनुस से मोहन लाल, शेरू से ओमप्रकाश, रुकैया बी से रुक्मिणी, तमन्ना से तन्नू, हैदर से हरि नारायण हो गए हैं।खजराना मंदिर आने के पूर्व इन सभी को पाटीदार समाज की धर्मशाला में पंडितों ने गोमूत्र, मिट्टी और 10 प्रकार के खान से पवित्र कराया। इसके बाद भगवा वस्त्र पहनाकर मंदिर लाया गया।

हैदर से हरि बने, कहा- मैंने नया जन्म लिया

खजराना के हैदर से हरि बने शख्स ने बताया सनातन धर्म से बहुत पहले से प्रभावित था। मैंने इसका काफी अध्ययन किया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि कुछ धर्म में अपने अनुयायियों को दुष्टता की श्रेणी में रखा है। फिर उनको यह कहना कि फलां को नष्ट कर देना चाहिए। यह विचारधारा सनातन धर्म की नहीं है। सनातन धर्म सभी धर्मों को महत्व देता है। इसका न प्रारंभ है और न अंत है। मैंने आज अंधेरे से उजाले में प्रवेश किया है। मैंने आज एक तरह से नया जन्म लिया है। मुझे परिवार का विरोध नहीं बल्कि सहयोग ही मिला है।

धर्म परिवर्तन के बाद मिलीं धमकियां

धर्म परिवर्तन के बाद हरि ने बताया कि मेरे पास लगातार फोन आ रहे हैं। मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। अपशब्द भी कह रहे हैं।

बाट से निकली चिंगारी से भभकी थी पटाखा फैक्ट्री

ब्लास्ट की जांच में खुलासा, 3 लोगों की गई थी जान

इंदौर (नप्र)। 12 दिन पहले 16 अप्रैल को महू के अंबाचंदन गांव में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट की मजिस्ट्रियल जांच पूरी हो गई है। जांच में विभागों के साथ फैक्ट्री मालिक की भी लापरवाही सामने आई है। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि जांच रिपोर्ट मुझे मिली है। उसे देखने के बाद जो भी दोषी होंगे उन पर कार्रवाई की जाएगी।रिपोर्ट में बताया है कि विस्फोट एक छोटे कमरे में हुआ। यहां कर्मचारी रोहित परमानंद (20), अर्जुन राठौड़ (27) और उमेश चौहान (29) बारूद तैयार कर रहे थे। कमरे में सुतली बम बनाने के लिए तैयार कच्चे माल के रूप में सल्फर, सोडा और एल्यूमीनियम पाउडर रखा था। इस दौरान बारूद तोलने वाला लोहे का बाट फिसलकर जमीन पर गिर गया, जिससे चिंगारी निकली और वहां रखे बारूद में विस्फोट हो गया।16 अप्रैल को अंबाचंदन गांव में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में तीन कर्मचारी 70 प्रतिशत से अधिक जल गए थे। इनकी इलाज के दौरान चोइथराम हॉस्पिटल में मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके साथ ही कलेक्टर आशीष सिंह ने एडीएम गौरव बेनल को मजिस्ट्रियल जांच सौंपी थी।जांच अधिकारी ने मालिक और मजदूरों समेत नौ लोगों के बयानों लिए। इनका कहना है कि जमीन पर बाट गिरने से विस्फोट हुआ है। हालांकि मालिक शाकिर खान ने इस विस्फोट के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदार बताया है। शाकिर खान ने कहा कि वहां मौजूद कर्मचारी लोहे की छड़ों से खेल रहे थे। इससे चिनगारी निकली और विस्फोट हो गया। खान ने यह भी दावा किया कि कमरे में 15 किलो बारूद रखा था, जिसके लिए अनुमति ली थी।16 अप्रैल को ब्लास्ट के अगले दिन प्रशासन के साथ इंदौर से बीडीडीएस (बम निरोधक दस्ता) और एफएसएल अधिकारियों ने पटाखा बनाने वाले चार केमिकल के सैंपल लिए। जिसे जांच के लिए भेजा गया है।

इन तीन खामियों से हुआ विस्फोट, अफसरों के कहने के बाद भी लोहे के गेट नहीं बदले

पहली- नियमों के अनुसार, पटाखा फैक्ट्री में दरवाजे और उसकी फिटिंग लोहे की नहीं होनी चाहिए। 13 फरवरी को औद्योगिक स्वास्थ्य और सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने इन्हें हटाने को कहा था। लेकिन फैक्ट्री मालिक शाकिर खान ने इन्हें नहीं बदला।

दूसरी- जांच में पता चला कि महू के तत्कालीन एसडीएम ने भी निरीक्षण में फैक्ट्री की 'ओके रिपोर्ट' दी थी। यह जांच हरदा में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की घटना के तुरंत बाद हुई थी। हरदा हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

तीसरी - फैक्ट्री में छोटे आकार के कई कमरे और दो-तीन हॉल हैं, जिनका उपयोग कच्चा माल तैयार करने, सुतली बम बनाने, भंडारण, पटाखों को रंगने आदि के लिए किया जाता था।

संपादकीय

भारत में मानवाधिकारों पर सवाल

भारत में मानवाधिकार के हनन को लेकर अमेरिका ने एक बार फिर भारत को घेरने की कोशिश की है। हालांकि इस बार उसके सुर कुछ नरम हैं। बीते दिनों अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अलग-अलग देशों में मानवाधिकारों से जुड़े क़ानूनों के पालन की स्थिति को लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी। अब एक अमेरिकी सरकार के आला अधिकारी ने कहा है कि गणतंत्र और मानवाधिकारों के मुद्दे पर अमेरिका और भारत की बातचीत होती रहती है। अमेरिकी ब्यूरो ऑफ़ डेमोक्रेसी ह्यूमन राइट्स एंड लेबर के वरिष्ठ अधिकारी रॉबर्ट एस गिलक्रिस्ट ने मंगलवार को कहा, 'गणतंत्र और मानवाधिकारों के मामले में भारत और अमेरिका के बीच उच्चतम स्तर पर बातचीत होती रहती है। हम भारत से गुज़ारिश करेंगे कि वो मानवाधिकारों से जुड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करे।' भारत ने इस रिपोर्ट के बारे में फ़िलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। विदेश मंत्रालय या सरकार की तरफ़ से कोई प्रतिक्रिया आएगी तो उसे इस रिपोर्ट में जोड़ दिया जाएगा। लेकिन अतीत में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों को भारत सरकार ख़ारिज करती रही है। इस बार भी वही होने की संभावना ज्यादा है। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मानव अधिकारों से जुड़े क़ानूनों पर अमल को लेकर एक कंट्री रिपोर्ट (2023 ह्यूमन राइट्स रिपोर्ट) जारी की थी। इस रिपोर्ट को ब्यूरो ऑफ़ डेमोक्रेसी ह्यूमन राइट्स एंड लेबर ने लिखा है। रिपोर्ट जारी करते हुए ब्लिंकन ने कहा था कि इसमें क़रीब 200 मुल्कों के मानवाधिकारों की स्थिति के सच जानकारी दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस रिपोर्ट में चीन, ब्राज़ील, बेलारूस, म्यांमार के साथ-साथ भारत का भी ज़िक्र है। जहां चीन में वीगर अल्पसंख्यक समुदायों के साथ हो रहे उत्पीड़न, म्यांमार में रोहिंग्या अल्पसंख्यक मुसलमानों के साथ हो रहे अपराध और उनके पलायन, निकारागुआ में एक्टिविस्टों पर दबाव डालने और उन्हें देश से निकालने के मामलों, सूडान में सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज़ के किए युद्ध अपराधों के बारे में लिखा गया है। इसके अलावा अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान द्वारा महिलाओं से शिक्षा का अधिकार छीनने, युगांडा के समलैंगिकता विरोधी क़ानून पास करने और एलजीबीटीक्यूआई प्लस समुदाय से जुड़े लोगों के लिए क़ैद, यहां तक कि मौत की सज़ा का प्रावधान करने, ईरान में मॉरल पुलिस के पकड़ने के बाद महिसा अमीनी की मौत और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों, इसराइल पर हमास के लड़ाकों के हमले के बारे में लिखा गया है। रिपोर्ट में भारत से जुड़े कई मामलों की ज़िक्र भी विस्तार से किया गया है। साथ ही ये भी कहा गया है कि भारत में तानाशाही बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार इस बीच चीनी सरकार के दमनकारी लक्ष्यों को लेकर परेशानी बढ़ी है और ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका ने भारत के साथ व्यापार और सुरक्षा संबंध बढ़ाए हैं जो दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र है। 'रिपोर्ट में मोदी सराकर की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा गया है कि भारत में मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने चीन की सरकार के कई ऐसे दमनकारी तौर-तरीकों को अपनाया है। इनमें धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ सुनियोजित तरीके से भेदभाव करना, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों का गला घोंटना और अभिव्यक्ति की आज़ादी को ख़त्म करने और सत्ता पर अपनी पकड़ बढ़ाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल शामिल है।' जहां तक इस रिपोर्ट के महत्व का सवाल है तो यह मानवाधिकारों के मामले में भारत की छवि खराब करने की कोशिश ज्यादा है। अमेरिका किस हैसियत से खुद को मानवाधिकारों का चौकीदार मानता है? बावजूद इस सच्चाई के भारत में मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठना देश की वैश्विक छवि पर विपरीत असर डालता है।

व्यवस्थापन की नीति न्यायसंगत बने

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

80 के दशक तक कोयले के क्षेत्र में एक विशेष कानून था जिसका नाम था कोल बियरिंग एरिया लैंड एक्विजिशन एक्ट और इस कानून के तहत अधिकारियों को यह अधिकार दिए गए थे कि अगर किसी व्यक्ति के जमीन के नीचे कोयला है तो वह उसे एक सामान्य चित्र जारी कर जमीन का अधिग्रहण कर सकते हैं, ना कोई मुआवजा का फैसला होता था ना कोई वैकल्पिक पुनर्वास की व्यवस्था होती थी और विशेषतः आदिवासी अंचलों के गरीब लोग जिनकी जमीनों के नीचे कोयला होता था वह इस भय में जीते थे कि पता नहीं किस दिन उनकी जमीन के अधिग्रहण का पत्र आ जाएगा। कोरबा के पास कुसमुंडा आदि गांव के लोगों ने अपने दुख की सूचना हमें दी थी और मैं और मेरे साथी आनंद मिश्रा और उस समय के एक और हमारे कार्यकर्ता मूरीतराम सहित हम लोग वहां गए थे। वहां के किसानों का पता नहीं क्यों ऐसा विश्वास था कि मेरे जाने के बाद उनकी लड़ाई बढ़ेगी और वह लोग जीतेंगे? मुझे याद है कि कुसमुंडा के गांव में जब मैं रात में रुका हुआ था तो उस घर के मालिक रात को मेरे पास आकर बैठे और बोले कि मुझे विश्वास है कि अब आपके आने के बाद हमारी जमीन कोयला अधिकारी नहीं छीन पाएंगे। हमें न्याय मिलेगा।

मैं उनके विश्वास से प्रभावित भी हुआ और घबराया भी क्योंकि भारत सरकार के बने हुए कानून को बदलवाने का संघर्ष कोई आसान संघर्ष नहीं था। यह वह दौर था जब दिल्ली में स्व. राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे और उनके पास तीन चौथाई बहुमत था। राज्य में भी कांग्रेस सरकार थी जो विशाल बहुमत की संसद के तीन चौथाई संख्या की थी और इस बात की उम्मीद भी कम ही थी कि सरकार इन गरीबों के पक्ष में कुछ करेगी। यह कानून भी कांग्रेस सरकारों के जमाने में ही बनाया गया था इतना ही नहीं कांग्रेस सरकार ने कोयला खोदने के लिए जो पुरानी पद्धति थी जिसमें भूमिगत खदानें हुआ करती थीं और अपने हाथ से कोयला खोदकर कोयले के मजदूर उसे बाहर निकालते थे उसे बदलकर जर्मनी और अन्य देशों से बड़ी-बड़ी मशीनें आयत की थीं जिन्होंने बड़े पैमाने पर कोयला खोदना शुरू किया था तब ओपन माइंस का सिस्टम यानी खुली खदानों की पद्धति शुरू हो गई थी और रातों-रात गांव की जमीन के नीचे भारी मात्रा में कोयला निकाल देती थी तथा वहां तालाब जैसे बन जाते थे और बाजू में मिट्टी के पहाड़ बन जाते थे। इतना ही नहीं पास में जो थर्मल पावर के प्लांट लगे थे उसकी राख बड़े पैमाने पर निकलती थी और पास की नदी में बहाई जाती थी। सारा का सारा नदी का पानी राख से प्रदूषित हो जाता था तथा इसी का इस्तेमाल करने को सारा अंचल लाचार था। इस अंचल में कोयला का होना सरकार के लिए, ठेकेदारों के लिए, माफियाओं के लिए, नौकरशाओं के लिए तथा अमीरों के लिए तो सोने जैसा धंधा था, परंतु गरीबों के लिए यह विकास के नाम की खुली मौत थी। हम लोगों ने इन गांवों के लोगों को इकटठा कर लड़ाई लड़ना शुरू किया और धीरे-धीरे आसपास के बीसियों गांवों में यह लड़ाई पहुंच गई। बड़ी संख्या में औरतें और बच्चे सड़कों पर निकलने लगे और इतना भारी संघर्ष शुरू हुआ कि लोगों ने ना मौसम देखा, ना सत्ता देखी, ना दमन की चिंता की और सड़कों पर निकल पड़े। मुझे याद है कि, एक दिन जब हम लोग कुसमुंडा से एक बड़ा जुलूस लेकर जिसमें आदमियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में औरतें और छोटे-छोटे बच्चे शामिल थे, कोरबा से जुलूस लेकर आ रहे थे उस दिन वहां का तापमान लगभग 50 डिग्री के आसपास था। सड़कों के

पास के पेड़ों पर बैठे हुए पक्षी टप-टप कर पेड़ों से नीचे गिर कर मर रहे थे, इसके बावजूद भी गरीब लोग पीछे हटने को तैयार नहीं थे। हम लोगों के लगातार संघर्ष से कुछ अच्छे परिणाम आए और स्थानीय कांग्रेस पार्टी के स्व. प्रभात मिश्रा जो आज जिंदा नहीं हैं, परंतु हम लोग उनके आभारी हैं कि उन्होंने इस संघर्ष से प्रभावित होकर अपनी भूमिका को बदला। उनके अपने संसदीय क्षेत्र के भी काफी गांव इस काले कानून से प्रभावित थे और उन्होंने हमारी समस्याओं को समझा। उस समय स्वर्गीय वसंत साठे जो नागपुर से सांसद व भारत के कोयला मंत्री भी थे स्वर्गीय बसंत साठे का भी संबंध आरंभ में समाजवादी पार्टी के साथ रहा था और प्रजा समाजवादी पार्टी में थे, बाद में वह कांग्रेस में चले गए थे। स्व. प्रभात मिश्रा का संबंध भी एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार से था और उनके परिजन इस आंदोलन में मानसिक और शारीरिक रूप से हमारे साथ थे, साथी धीरेंद्र मिश्रा, आदित्य मिश्रा, आनंद मिश्रा यह सभी प्रभात मिश्रा जी के परिवार से थे। इन लोगों ने भी पहल की थी। बिलासपुर के ही एक और मंत्री जो राज्य सरकार के मंत्री थे स्वर्गीय बी.आर. यादव, उन्होंने भी आवश्यक पहल की और स्व. प्रभात मिश्रा इस बात को तैयार हुए कि वह स्व. बसंत साठे से हम लोगों की मुलाकात कराएंगे और इस बर्बर कानून को बदलने के बारे में हमारे पक्ष का समर्थन करेंगे। और उन्होंने अपने वायदे को निभाया भी और बसंत साठे से मुलाकात कराई तथा जब हमने अपनी मांगे व उनके तर्क रखे तो उनकी तार्किकता से बसंत साठे भी प्रभावित हुए। मुझे स्मरण है कि हमने जो मांगें रखी थी, वह थी-

1. कोल बियरिंग एरिया, लैंड एक्विजिशन एक्ट को समाप्त कर नया कानून बनाया जाए।
2. जिस किसान की जमीन का अधिग्रहण किया जाता है उसे अधिग्रहण के पहले मुआवजा दिया जाए। साथ ही उनके लिए वैकल्पिक बसावट के लिए जमीन दी जाए।
3. जिस किसान की जमीन का अधिग्रहण किया जाता है उसे अधिग्रहण के पहले उसके साथ ही उसके मकान और वृक्षों का भी अधिग्रहण किया जाए, क्योंकि जब जमीन ही नहीं रहेगी तो वह किसान मकान, वृक्षों का क्या करेगा?
4. जमीन का मुआवजा शहर की जमीनों के बराबर याने बाजार दर की तुलना से 50 प्रतिशत अतिरिक्त जोड़कर दिया जाए।
5. इन किसानों को बगैर किसी भुगतान के कंपनी का अंशधारी बनाया जाए ताकि इनको नियमित लाभ का हिस्सा मिल सके। कंपनी के काम में विस्थापित परिवारों के किसी एक व्यक्ति को स्थाई रोजगार दिया जाए।
6. जहां इन लोगों को विस्थापन के बाद बसाहट के लिए जमीन दी जाती है वहां गाँव खाली करने के पहले सामुदायिक भवन, सड़क, पानी, बिजली, स्कूल और चिकित्सालय की व्यवस्था की जाएं।

भारत सरकार में इन मांगों को लेकर विचार विमर्श हुआ। कोयला मंत्री श्री बसंत साठे की दिलचस्पी से यह काम शुरू हुआ। उस समय मैं कोयला कामगार पंचायत का अध्यक्ष और हिंद मजदूर किसान पंचायत का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी था जिसके अध्यक्ष स्वर्गीय साथी जॉर्ज फर्नांडीज थे।

सरकार के आश्वासन को पूरा कराने के लिये सर्वोच्च न्यायालय में याचिका भी दायर हुई थी, यह याचिका समूचे देश के लिये उपरोक्त व्यवस्था बनाने के लिये की गई, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने भी सरकार को निर्देश दिये थे, बाद में कानून में बदलाव किया गया और जमीन के अधिग्रहण के पहले मुआवजा देना बाध्यकारी हुआ। तथा बाजार दर से डेढ़ गुना मुआवजे की देने की सहमति बनी।

यह भी निर्णय हुआ कि जो किसान विस्थापित होकर जा रहा है उसकी सारी जमीन, मकान एवं पेड़ आदि सबके मुआवजे तय कर उन्हें मुआवजा राशि दी जाए, क्योंकि सरकार अधिकारी यह भी गड़बड़ी करते थे कि किसी व्यक्ति के पास अगर तीन एकड़ जमीन है तो दो एकड़ का अधिकरण करते थे और एक एकड़ छोड़ देते थे, तथा कहते थे कि यह तो अभी कृषि भूमि है। इसलिए मकान के खाली होने का या पेड़ों आदि का मुआवजे का कोई कारण नहीं है। जबकि स्थिति यह होती थी कि खदानों की खुदाई से और ब्लास्टिंग से न केवल बची हुई जमीन बर्बाद हो जाती थी बल्कि मकान टूट जाते थे। यहां तक कि पेड़ भी टूट जाते थे। वैसे भी मात्र आधा या एक एकड़ जमीन से कोई किसान क्या कृषि कर सकता है? क्या जीवनयापन कर सकता है? अतरू इस निर्णय से किसानों को लाभ पहुंचा।

यह भी स्वीकृति हुई कि जहां विस्थापन के बाद यह किसान लोग जाएंगे अगर वहां सरकारी जमीन होगी तो उन्हें जमीन दी जाएगी तथा उनके मकान बनाने के लिए सहयोग किया जाएगा। वहां सामुदायिक भवन, पानी, बिजली और सड़क, स्कूल की व्यवस्था विस्थापन के पहले की जाएगी। अस्पतालों के लिए भी है तय हुआ कि जब तक स्थानीय अस्पताल नहीं बनता है तब तक कोयले के सरकारी कंपनियों के लिए बनाई गई अस्पतालों में इन्हें इलाज की व्यवस्था दी जाएगी।

दरअसल यह व्यवस्थापन की नीति समूचे देश में सभी क्षेत्रों में बनाई जाना आवश्यक है और इसके लिए सतत संघर्ष की आवश्यकता है पर दुखद है कि सरकार बहरी और समाज गूंगा है तथा पीड़ित किसान मजदूर सुसुप्त है।

लोकसभा चुनाव

रमेश कुमार 'रिपु'

लेखक पत्रकार हैं।

घोषणा पत्र पर भड़के मंगल सूत्र में अटके

क्या आखिरी अश्वमेघ है। किराए की भाजपा का। हर राज्यों में कांग्रेस से भाजपा में आने वालों की भीड़ दिखी।इनके भरोसे भाजपा अपनी सेहत सुधारने का सपना पाल ली है। लेकिन पहले चरण की वोटिंग के ट्रेंड ने जय हो कि जगह,भय हो का माहौल बना दिया है। पहले चरण के 102 सीटों में भाजपा सिर्फ 42-46 सीट पा रही है। ऐसा सियासी आकलन है देश का। वोट का ट्रेण्ड बदलने के लिए मोदी ने भाषण का ट्रेंड ही बदल दिया। कांग्रेस के मेनिफेस्टो में मुस्लिम लीग की छाया बता कर भड़के। और मंगल सूत्र में आकर अटके। मुद्दे के लिए भटकती भाजपा एक बार फिर हिन्दू-मुस्लिम के चौराहे पर आ गयी। सब भटक रहे हैं। भाजपा समेत समूचा विपक्ष। बीजेपी अपने मेनिफोस्टो में महंगाई और बेरोजगारी की जगह सपने दिखा रही है। उसे यकीन था कि 2014 से ज्यादा बड़ी जीत उसे मिलेगी। लेकिन पहले चरण के वोट ट्रेंड ने बीजेपी की धुकधुकी बढ़ा दी है। दूसरे चरण में भी वोट का ट्रेंड नहीं बदला। आगे भी यही स्थिति रही तो पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक की बात सच हो सकती है, कि बीजेपी दो सौ सीट से नीचे रहेगी। यदि ऐसा हुआ तो बीजेपी के लीडर मोदी नहीं रहेंगी। मोदी को भरोसा था कि हिन्दू-मुस्लिम राजनीति के पासे पौ बारह ही पड़ंगे। इसलिए सत्ता के हंसिये से वोट की फसल काटने के लिए राजनीति को धर्म के खेत पर खसीट लाए। कांग्रेस को अर्बन नक्सली कह दिया। कांग्रेस सत्ता में आई तो हिन्दू बहनों के मंगल सूत्र तक छीन लेगी। कांग्रेस लोगों की कमाई ज्यादा बच्चों वालों में बांट देगी। अल्पसंख्यक घुसपैठिए हैं। आतंकवादी हैं। कांग्रेस की सोच माओवादियों और कम्युनिस्टों की है। आपकी संपत्ति पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, कि हमारे मेनिफोस्टो में विरासत टैक्स का कहीं जिक्र नहीं है। प्रधान मंत्री असत्यमेय जयते का प्रतीक हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस के मेनिफेस्टों को समझाने मोदी से समय मांगा। सवाल यह है, कि अल्पसंख्यक घुसपैठिए हैं तो कितने पकड़े गए। कितने के खिलाफ कार्रवाई हुई।

दूसरे चरण मे वोट में भी मोदी की कही बातों के बावजूद वोट का ट्रेंड नहीं बदला। विपक्ष उत्साहित है कि मतदाताओं ने सत्ता परिवर्तन का संकेत दे दिया है। यूपी की आठ सीट पर हुए चुनाव में मेरठ,बागपत, मथुरा,अमरोहा,अलीगढ़ की सीट बीजेपी की फंस गयी है। किसानो को बीजेपी ने निराश किया। वादे पूरे नहीं हुए। ऐसा वहां के वोटर कह रहे हैं। दूसरे चरण में 66.12 फीसदी वोट पड़े हैं। मध्यप्रदेश की होशंगाबाद को छोड़कर सभी जगह वोट पिछली बार की तुलना में कम हुए है। रीवा में दस फीसदी वोट कम पड़े हैं। दूसरे चरण के वोट के आधार पर यह माना जा रहा है कि बीजेपी और इंडिया दोनों को मतदाताओं ने तवज्जो दिया। अब तक के 190 सीट में इंडिया गठबंधन को फायदा ज्यादा होने के संकेत हैं।

मंगल सूत्र वाले बयान पर सोशल मीडिया पर प्रधान मंत्री के प्रति गुस्सा ज्यादा देखने को मिला है। वहीं प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के मंगल सूत्र वाले बयान पर प्रियंका गांधी ने कहा,मेरी मां ने अपना मंगल सूत्र देश के नाम कुर्बान कर दिया। युद्ध के दौरान मेरी दादी इंदिरा गांधी ने अपने गहने देश को समर्पित किये। कांग्रेस ने आज तक किसी मां -बहनों के मंगल सूत्र नहीं छीने। सवाल यह है कि क्या भाजपा अवसान पर है। उसका यह संक्रमण काल है। इसलिए मोदी ने धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए चुनाव में हर बार की तरह फिर हिन्दू,मुस्लिम की फसल काटना चाहते हैं। अंधेरे में लाठी भांज रही है भाजपा। किसान आंदोलन में 700 किसानों की मौत हुई। चीन के बार्डर पर गढ़वाल में कई सैनिक शहीद हुए। पोलवामा कांड में समय पर हवाई जहाज मोदी उपलब्ध करा देते तो हमारे कई भारतीय सैनिक शहीद न होते। क्या उन शहीद लोगों की विधवाओं के मंगल सूत्र का ध्यान मोदी को नहीं है। आखिर इतने सारे शहीदों की पत्नियों के मंगल सूत्र, किसकी वजह से बिना धागे के हो गए क्या इन सवालों का जवाब बीजेपी के पास है? भाजपा अपने आप को हिन्दू की पार्टी कहती है। कांग्रेस यदि मुस्लिमों की पक्षधर है,तो विवाद क्यों? सबकी राजनीति के अपने अपने तरीके हैं। फिर भी हर चुनाव में भाजपा यह कह कर हिन्दुओं को क्यों डराती है कि आज हिन्दू खतरे में है। देश का प्रधान मंत्री हिन्दू है। गृहमंत्री हिन्दू है। राज्य के मुख्यमंत्री हिन्दू हैं। फिर भी देश का हिन्दू खतरे में है। यदि हिन्दू खतरे में है तो इसके लिए मुठ्ठी भर अल्पसंख्यक दोषी हैं या फिर देश की सरकार ! वोट डालने से पहले एक बार मनन जरूर करें।

दस साल की भाजपाई सत्ता में देश का आर्थिक ढांचा चरमरा गया है। देश पर 272 लाख करोड़ का कर्ज है। सरकार ने कई उद्योगपतियों के कर्जे माफ कर दिये तो बैक डूब गए। ताले लग गए। ग्यारह लाख करोड़ रुपए से ज्यादा उद्योग पतियों के माफ किये गए। इलेक्टोरल बांड ने भाजपा की ईमानदारी छवि पर कालिख पोत दी। देश के छोटे से लेकर बड़े उद्योगपतियों को ईडी का डर दिखाकर उनसे चंदा लिया। बदले में उद्योगपतियों ने अपने-अपने उत्पादों की कीमत चार गुना बढ़ा दिया। बाजार में महंगाई का बूम आ गया। आम आदमी समझ ही नहीं पाया कि महंगाई अचानक से बढ़ कैसे गयी। सुप्रीम कोर्ट के दखल से देश के सामने न खाऊंगा और न खाने दूंगा कहने वालों की सच्चाई समाने आई। क्या नेहरू बोले कर गए थे बीजेपी को कि इलेक्टोरल बांड के जरिए चंदा एकत्र करना। कश्मीर से अब भी 370 हटी नहीं। केवल संशोधन किया गया है। ताकि अडानी जमीन खरीद सकें। राम मंदिर से रोटी नहीं मिलने वाली। राम केवल आस्था है। विश्वास है। भरोसा है। राम का मंदिर नहीं बना था, तब क्या देश नहीं चल रहा था। लोकतंत्र जिंदा नहीं था। भारत नहीं था। राम के लिए मंदिर बनाए हैं तो राम जैसा आचरण भी दिखाएं। तानाशाह क्यों बनते हैं? राम मंदिर बन जाने पर देश में क्या अंतर आ गया या आ जाएगा? जय किसकी और भय किसका होगा,अबकि चुनाव में। यह बात की बात है। मगर सवाल यह है,कि भाजपा अपने ही राज्यपाल के यहां सीबीआइ इसलिए भेज दे कि वो मोदी सरकार की बखिया उधेड़ने लगे हैं, तो जाहिर सी बात है कि दाल में कुछ काला नहीं,पूरी की पूरी दाल काली है।

भाजपा के मेनिफेस्टों में 2047 तक का सपना दिखाया गया है। महंगाई, बेरोजगारी, की कोई बात नहीं। जुमले से तालियां बजती है। सपने दिखाने से भूख नहीं मरती। एक वो भी सपना था, 2022 तक किसानों की आय दोगुनी हो जाएगी। गंगा साफ हो जाएगी। दो करोड़ नौकरी दी जाएगी। पेट्रोल चालीस रुपए लीटर मिलेगा। डॉलर जमीन सूंघने लगेगा। रुपया डॉलर से ऊपर होगा। चार सौ रुपए का गैस सिलेंडर किस राज्य में मिल रहा है? ऐसे कई सवाल हैं,जिनके जवाब इस चुनाव में अधूरे हैं। बुजुर्गो को रेल यात्रा में जो सुविधाएं मिलती थी,बंद कर देने से रेल मंत्रालय फायदे में चलने लगा क्या? छत्तीसगढ़ से होकर चलने वाली 6200 ट्रेनें क्यों बंद कर दी गयी। पी.एम.ने भी नहीं बताया। आयुष्मान योजना का लाभ मरीजों को निजी अस्पताल में नहीं मिलता। दवाइयां बाहर से मरीजों को खरीदना पड़ता है। मरीजों को जल्द से जल्द निजी अस्पताल के लोग डिस्चार्ज कर देते हैं। उनका इलाज सही तरीके से नहीं होता। पांच लाख तक के इलाज कराने की यह योजना कैसी है,सांसदों को भी पता करना चाहिए। सियासी मुजरा खूब चल रहा है। हर दल में। सबसे अधिक डरी हुई है बीजेपी। तीसरी बार सियासी अश्वमेघ यज्ञ में आहूति मतदाता किसे दे रहा है। राम तीसरी बार सत्ता की कमान दिलाएंगे या नहीं। हिन्दुओं को बीजेपी फिर डरा रही है। क्या वाकई हिन्दू खतरे में है। क्या मतदाता मान रहा है कि ईडी, सीबीआई और आई टी की कार्रवाई गलत है। देश को जैसा प्रधानमंत्री चाहिए,उसे वैसा मिला है। तीसरी बार बीजेपी आई तो संविधान बदल दिया जाएगा। इस बात को अशिक्षित लोग क्या समझ रहे हैं। रिक्शे वाले को,पान ठेला वाले को,सब्जी बेचने वाले को,सड़कों के किनारे चाट बेचने वाले को क्यों लगता है, फिर मोदी आएगा। ईवीएम पर देश के कितने लोगों को भरोसा है। चार सौ पार बीजेपी आएगी या फिर उसे 272 के भी लाले पड़ेंगे। दूसरे चरण के चुनाव से पहले बीजेपी मंगल सूत्र का मुद्दा गढ़ ली। तीसरे चरण के चुनाव में पुलवामा कांड जैसा कोई कांड हो जाए तो हैरान नहीं होना। क्यों कि अब देश में चुनाव मुद्दों पर नहीं, हिन्दू खतरे में है बता कर लड़ा जाएगा,जब तक देश में अल्पसंख्यक रहेंगे और पाकिस्तान रहेगा।

साहित्य के रस से सरस नेताजी

कटाक्ष

केदार शर्मा 'निरीह'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

चुनाव के मौसम में मीडिया पर राजनीति और राजनीति पर मीडिया हावी रहते हैं। दोनो का चोली-दामन का साथ है। इस मौसम में सर्वत्र नेताजी और उनका चुनाव-प्रचार चर्चा में है। क्या चाय की थड़ी और क्या किराने की दुकान, जहाँ भी कुछ आदमी इकट्ठे हुए नहीं कि जीत-हार की चर्चा चल पड़ती है। चर्चा में रस आता है और इसी रस का आस्वादन लेने के लिए चर्चा होती है। नेताजी के जीवन में इन सभी रसों का समाहार है। नाट्यशास्त्र की एक सूक्ति कहती है- कि जैसा कार्य होता है,वैसी ही दृष्टि हो जाती है,जैसी दृष्टि होती है,वैसा ही मन हो जाता है,जैसा मन होता है,वैसा ही भाव बनता है,और जैसा भाव होता है, वैसा ही रस उत्पन्न होता है। साहित्य के अनेक रस नेताजी में समय-समय पर कमोबेश झलकते रहते हैं।

कभी बिरला अवसर आता है जब नेताजी की जबान फिसल जाती है तो श्रोताओं को हास्यरस का अनायास आनंद मिल जाता है। जब कभी नेताजी में वीर रस का संचार होता है तो वे कार्यकर्ताओं का आह्वान करते है-एक सबके लिए,सब एक के लिए । नेताजी का तो आपसे पाँच साल में एक ही बार काम पड़ता है और वह काम है- नेताजी को वोट देना, यदि यह काम आपने कर दिया तो बाकी काम तो वे खुद संभाल लेंगे। बकौल भगवद्गीता के 'योगक्षेमं वहाम्यहम्' मैं कार्यकर्ताओं का योगक्षेम को वहन करूंगा 'जब इस तरह का, वीररस का ओवरडोज कार्यकर्ताओं को दिया जाता है तो असर करता है। अंधे को क्या चाहिए दो आँखे।

फिर नेताजी के वचनों से झरा वीर रस कार्यकर्ताओ की नस नस में स्रावित हो असर दिखाने लगता है । वीर रस से ओतप्रोत हो वे पटरी पर लेट जाते हैं। पैदल मार्च करते हैं नारे लगाने लगते हैं,लाठी,डंडे खाते हैं,पिटते हैं,कुटते हैं और शायद कभी-कभी तो किसी को कूट भी देते हों। चुनावी साल में वीर रस विशेष रूप से स्रावित होता है और तब जिधर देखो उधर नेताजी नंगे पाँव पदयात्राएं करने लगते है। संचारी भाव की तरह कार्यकर्ताओं में देशभक्ति का ज्वार उमगने लगता है। नेताजी से पूछने का मन भी था कि पैदल चलने का देश-भक्ति से क्या सीधा संबंध है ? परंतु अब समझ में आ गया, कहावत भी है कि जो फिरता(घूमता) है वह चरता है, और जो बंधा रहता है वह मरता है। जो राह में आकर चरण पकड़ लेता है उसका काम हाथों-हाथ होता है। पर नेताजी के यात्रा मार्ग में सभी का आना मुमकिन नहीं होता। इसमें नेताजी का भी क्या दोष हैं ?

नेताजी के रौद्र रूप का दिग्दर्शन तब होता है जब उनको चुनाव लड़ने के लिए पार्टी टिकट नहीं देती है। तब वे बागी होकर उसी पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ने की तो कभी दल-बदल करने की धमकी देते हैं। उनके वक्तव्य उन्मत्त हाथी की तरह बेलगाम हो उठते है। यही रौद्र रस कभी-कभी भयानक रस में बदल जाता है। जब कभी वीभत्स रस उनकी आँखों में ललियाना शुरू हो जाता है तो सदन में बाहें चढ़ाकर अध्यक्ष की मेज की ओर बढ़ते हैं।कुर्सी और माइक तक उठाकर बाहर फेंक सकते हैं भले ही इसके लिए उनको सदन से बहिष्कृत होना पड़े।

चुनाव परिणाम के दिन कदाचित उनकी हार हो जाए तो आँखों से स्वयं के लिए करूण रस बहने लगता है। यही रस तब कार्यकर्ताओं की जबान और आँखों से नेताजी के लिए टपकने लगता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

भाजपा और कांग्रेस – एक आकलन ऐसा भी ...

बीते दशक में चाहे कांग्रेस का नेतृत्व लचर रहा हो, लेकिन उसके अधिकांश परंपरागत मतदाताओं ने अपनी प्रतिबद्धता बरकरार रखी है। यह जरूर है कि नए मतदाताओं को साधने में कांग्रेस सर्वथा असमर्थ रही। बीते दशकों की अपेक्षा नई पीढ़ी की बहुआयामी चेतना के चलते उसकी तार्किक क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस दशक के नए मतदाताओं में तार्किक आकलन के साथ गुण-दोष के आधार पर मतदान करने की मनोवृत्ति पाई जाती है। उनमें यह समझ स्वाभाविक रूप से विकसित दिखाई देती है कि क्या सही है और क्या गलत है। कांग्रेस के निरंतर कमजोर होने के पीछे यही मुख्य वजह है कि वह नई पीढ़ी के मतदाताओं को लुभाने में नाकामयाब रही है।

इसके विपरीत भाजपा अपने जनाधार में निरंतर बढ़ोतरी करने में सफल रही है। कांग्रेस का परंपरागत खानदानी नेतृत्व एकमात्र अपने पूर्वजों की साख पर टिका हुआ है। नई पीढ़ी राष्ट्र के नवनिर्माण में नेहरू से लेकर लगभग राजीव तक के अहम योगदान से भलीभांति परिचित नहीं है। जबकि भाजपा पूर्ववर्ती जनसंघ की मूल अवधारणा में सामयिक रूप से तनिक संशोधन कर वर्तमान संदर्भों में नई पीढ़ी के गले अपनी बात उतारने में सफल रही है। यही कारण है कि केंद्र के साथ-साथ अनेक राज्यों में कांग्रेस के विकल्प के रूप में जागृत जनमत के बहुमत का समर्थन उसने प्राप्त किया है। संघर्ष से सफलता के शिखर पर विराजित होने का सफर भाजपा के अपने पुरुषार्थ पर टिका हुआ रहा है। बीते दौर में कांग्रेस के पास करिश्माई नेतृत्व था, लेकिन आज उसके पास ऐसा कोई नेतृत्व नहीं है -जो जनमानस को लुभा सके। इसके विपरीत भाजपा मे अलग-अलग दौर में करिश्माई नेतृत्व की झलक मिलती रही है। इस दशक में भाजपा के पास राष्ट्रीय ही नहीं अपितु प्रादेशिक करिश्माई नेतृत्व की भी बहुत बहुतायत है। परंपरागत कांग्रेसी विचारधारा वाला वर्ग परिवार विशेष के नेतृत्व को ही तवज्जो देता गया, यह सिलसिला आज भी जारी है। लेकिन अहम सवाल यह है कि इस परिवार के पास कांग्रेस को नेतृत्व देने की पारिवारिक अग्रिम पंक्ति का विकल्प नहीं है। ऐसे में परंपरागत कांग्रेसियों का परिवार विशेष की नीति और नीयत पर आश्रित रहना, किसी भी दृष्टि से संभव नहीं लगता। विगत दशक के दौरान जिन्हें मतदान की पात्रता हुई, अपने विचार और अपनी सोच के आधार पर राजनीति में उन्होंने कांग्रेस की अपेक्षा भाजपा को ही समर्थन दिया। यह पीढ़ी स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस के स्वर्णिम कालखंड की उपलब्धियों से भी काफी हद तक अनभिज्ञ रही। वैसे नई पीढ़ी अतीतजीवी नहीं होती, वह वर्तमान में ही अधिक विश्वास किया करती है। इसके चलते बिना किसी पूर्वाग्रह के देश में प्रचलित राजनीतिक दलो की नीति-नीयत और विचारधारा से प्रभावित होती है। इस पीढ़ी पर पुरानी अवधारणा या विचारधारा को एकदम से थोपा नहीं जा सकता। इसका दृष्टिकोण काफी हद तक वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि व्यावहारिक भी होता है। इस पीढ़ी को साधने का कांग्रेस नेतृत्व द्वारा गंभीर प्रयास नहीं किया गया।

बीते दौर में कांग्रेस का करिश्माई नेतृत्व वंश परंपरा के आधार पर नित नई राजनीतिक सफलता प्राप्त करता रहा। लेकिन आज के दौर में कांग्रेस के पास ऐसा कोई करिश्माई नेतृत्व नहीं है, जिस पर नागरिक आंख मूंद कर विश्वास कर सके। इसके विपरीत भाजपा के पास करिश्माई नेतृत्व ही नहीं, अपितु उनके पात्र उत्तराधिकारियों की भी एक लंबी श्रृंखला है। जो अपनी खानदानी विरासत के बल बूते पर नहीं बल्कि जन-जन में अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से अनूठी छाप स्थापित करते हुए वर्तमान मुकाम तक पहुंचे हैं। अन्य दलों की तुलना में भाजपा के पास अपनी नीति और अपने सिद्धांत है, जो किसी व्यक्तिवादी अवधारणाओं के मोहताज नहीं है। राष्ट निर्माण की परिकल्पना को साकार करना ही उसका मुख्य ध्येय है।

भाजपा में जमीन से जुड़े नेताओं की भी कोई कमी नहीं है। आम कार्यकर्ताओं में से ही निकल कर भाजपा के बैनर तले विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के निर्वहन के अनेक उदाहरण गिनाएं जा सकते हैं। इन तमाम सन्दर्भों में कांग्रेस के ठेठ निचले स्तर के कार्यकर्ता की बनिस्बत भाजपा के आम कार्यकर्ताओं को अपनी निष्ठा, त्याग और समर्पण का प्रतिसाद सहजता से मिल जाया करता है। ऐसी स्थिति कांग्रेस में कभी दिखाई नहीं देती। परिवार विशेष का कृपापात्र होना या क्षेत्रीय क्षत्रप का अनुगामी होना ही कार्यकर्ता को उपकृत कर देने का पैमाना हुआ करता है। इसके चलते कार्यकर्ता केवल और केवल कार्यकर्ता बनकर रह जाता है।

लेकिन भाजपा संगठन में तमाम कार्यकर्ताओं को 'देवतुल्य कार्यकर्ता' निरूपित करते हुए उन्हें दल की आधारशिला के रूप में नवाजा जाता है। जिसके चलते समर्पित कार्यकर्ता घर-परिवार से कहीं अधिक भाजपा परिवार की चिंता करते दिखाई देते है। यही वह कारण है कि घोर संघर्ष के दौर में भी कार्यकर्ताओं के उत्साह में कहीं से कहीं तक कभी कोई कमीं नहीं दिखाई दी। इसके चलते आत्मबल से परिपूर्ण कार्यकर्ता अपने दल को सत्ता के सिंहासन तक ले जाने में सफल रहे हैं। वैसे अब कांग्रेस भी कुछ अंशों में भाजपा की राह पर चलने का प्रयास करते दिखाई देती है। इस स्थिति को सुखद कहा जा सकता है। अच्छा भी है कि दोनों प्रमुख परस्पर विरोधी दल एक दूसरे की अच्छाई को ग्रहण करने का प्रयास करने लगे।

आईटी एक्ट नियम - 2

विनय झैलावत

(लेखक पूर्व असिस्टेंट सॉलीसीटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है

इस मामले में बॉम्बे उच्च न्यायालय ने पहले कहा था कि प्रथम दृष्टया आईटी नियम 2023 में नए संशोधन में व्यंग्य को बचाने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों का अभाव है। हालांकि, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने दावा किया है कि सरकारी एजेंसी (एफसीयू) द्वारा तथ्यों की जांच के बाद सरकार के कामकाज से संबंधित ''प्रामणिक जानकारी'' का पता लगाना और प्रसारित करना जनहित में होगा ताकि ''बड़े पैमाने पर जनता को होने वाले संभावित नुकसान को रोका जा सके।'' कार्यवाही के दौरान, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्पष्ट किया कि एफसीयू द्वारा अपने प्लेटफार्म पर सामग्री को फर्जी, गलत या भ्रामक के रूप में चिन्हित करने के बाद फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि जैसे बिचौलियों को कुछ भी करने की स्वतंत्रता नहीं है। यदि कोई सोशल मीडिया या समाचार वेबसाइट फ्लैग की गई जानकारी को होस्ट करना जारी रखती है, तो कार्रवाई किए जाने पर उसे अदालत में अपने रूख का बचाव करना होगा। मध्यस्थ आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत परिभाषित सुरक्षित बंदरगाह खो सकता था, जिसे अदालत तय करेगी। याचिकाकर्ताओं ने अपने जवाब में दावा किया कि बिचौलियों को केवल सरकार द्वारा कुछ चिन्हित किए जाने के बाद ही पसंद का ''भ्रम'' होता है। अधिवक्ता गौतम भाटिया ने तर्क दिया कि क्योंकि सामग्री को हटाने से कम कुछ भी नहीं किया जा सकता है। यहां तक कि एक अस्वीकरण डालने से, मध्यस्थ पर मुकदमा चलाया जा सकता है।

याचिकाकर्ता की ओर से उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध उपचारों की कमी की ओर इशारा किया। यदि उनकी सामग्री को एफसीयू द्वारा नकली, गलत या भ्रामक (एफएफएम) के रूप में चिन्हित किया जाता है तो उपयोगकर्ताओं के लिए एकमात्र उपाय एक रिट याचिका ही है। प्रकरण में कार्यवाही के दौरान आईटी अधिनियम के अनुसार ''सूचना'' की व्यापक परिभाषा के बारे में मुद्दा भी सामने आया। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि नियमों में ''जानकारी'' केवल ''तथ्यों'' तक ही सीमित रहेगी। हालांकि, याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि यह अदालत को कानून को फिर से लिखने के बराबर हो सकता है, जो इसकी भूमिका नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को ''नकली'', ''तथ्य'' और ''भ्रामक'' जानकारी की पहचान करने की अनुमति देना बहुत अधिक है। इसके परिणामस्वरूप मनमानापन और भेदभाव होता है। यह जो संविधान के अनुच्छेद 14 और 19 का उल्लंघन करता है। नियम के ''सरकार के कार्य'' तक सीमित होने के बारे में, सिरवई ने तर्क दिया कि इसमें संविधान की समवर्ती सूची में सूचीबद्ध गतिविधियों सहित गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इसमें एक अवशिष्ट प्रविष्टि 97 शामिल है, जो इसे असाधारण रूप से व्यापक बनाती है। यह तर्क दिया गया था कि यह सूची में केवल 66 वस्तुओं को बाहर करता है। वरिष्ठ अभिभाषक ने दृढ़ता से तर्क दिया कि श्रेया

सिंघल के फैसले में उल्लेखित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कानून को क्यों नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसका एक उदाहरण देते हुए सिरवई ने कहा, ''डब्ल्यूएचओ कह सकता है कि कोविड से पचास लाख लोगों की मौत हुई। भारत का कहना है कि केवल पांच लाख लोगों की मौत हुई है। एफसीयू का कहना है कि डब्ल्यूएचओ का दावा गलत है। देखें कि सरकारों को कैसे बचाया जाएगा?'

न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने सरकार के इस दावे का विरोध किया कि एफसीयू एक सलाहकार क्षमता में काम करता है। ''सॉलिसिटर जनरल ने यह तर्क देने की कोशिश की कि एफसीयू एक सलाहकार है। यह यात्रा संबंधी सलाह नहीं है। यह एक बाध्यकारी आदेश है।'' एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, ''एक राष्ट्रीय समाचार पत्र कुछ प्रकाषित करता है, क्या सरकार उनसे कह सकती है कि यह नकली है और इसे हटा सकती है ? तो फिर एक मध्यस्थ को कैसे कहा जा सकता है कि यह नकली, झूठा और भ्रामक है, इसे हटा दें'', दातार ने पूछा। दातार ने तर्क दिया कि यदि टीवी समाचार और ऑनलाइन चैनलों को इस तरह से विनियमित नहीं किया जा सकता है, तो यही सिद्धांत सोशल मीडिया बिचौलियों पर लागू होना चाहिए।

उच्च न्यायालय ने आश्चर्य व्यक्त किया कि अदालत से आईटी अधिनियम के तहत परिभाषित ''सूचना'' शब्द के दायरे को सीमित करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। धारा 3 (1) (बी) (5) के तहत ''सूचना'' की सीमा क्या है और इसे तथ्यों तक कैसे सीमित किया जाए ? याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि इस ''नियम को पढ़ा नहीं जाना चाहिए, इसे निरस्त किया जाना चाहिए। ट्यूमर होने पर उसे छेदना और निकालना पड़ता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सबसे अधिक पोषित अधिकार है। इसकी रक्षा करें। एडिटर्स गिल्ड की ओर से पेश अधिवक्ता शादान फरसत ने कहा, ''सरकार के कामकाज के बारे में तथ्यों की बहुत सारी व्याख्याएं हैं। भले ही इसकी संरचना संकीर्ण रूप से की गई हो। कोविड से होने वाली मौतों की संख्या, ऑक्सीजन की पर्याप्तता, किसानों की मौतों पर सरकार और अन्य लोगों की अलग-अलग व्याख्याएं हैं।''

गौरतलब है कि, उच्चतम न्यायालय पहले ही न्याय क्षेत्र में मील के पत्थर साबित हुए फैसलों के द्वारा यह कह चुका है कि ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता'' हर नागरिक का अधिकार है। यह अधिकार उस दषा में खास साबित होता है जब शासन द्वारा मीडिया की अभिव्यक्ति की आजादी का हनन किया जा रहा हो। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसी भी मीडिया ऑउटलेट द्वारा किसी भी प्रकार की आलोचक टिप्पणियां देना उनका अधिकार है। न्यायालय ने यह भी कहा कि मीडिया देश के लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। इस कारण सरकार किसी भी नागरिक की ''अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता'' का हनन नहीं कर सकती है।

यह भी जानने लायक है कि उच्चतम न्यायालय पहले ही आर्टिकल 19 में समाहित वाक स्वतंत्रता पर समाचार माध्यम के बारे में अपना आदेश दे चुका है। इसमें समाचार एवं माध्यम को अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता है। अब मामला सर्वोच्च न्यायालय में है। यह देखना दिलचस्प होगा कि उच्चतम न्यायालय कैसे इस मामले को अंतिम रूप देगा और उपरोक्त तर्कों के बीच एक संतुलन स्थापित करने में सफल होगा।

सच्चे साधक

चेतनादित्य आलोक

लेखक साहित्यकार, आध्यात्मिक चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार

दुर्लभ विनम्रता वाले जनप्रिय रचनाकार कुंअर बेचैन

हिंदी गजल और गीत के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर कुंअर बेचैन का जन्म एक जुलाई 1942 को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के उमरी गांव में हुआ था। पिता नारायण दास सक्सेना और माता गंगादेवी ने उनका नाम कुंअर बहादुर रखा था। हालांकि माता-पिता का देहांत हो जाने के कारण उनका बचपन बड़े संघर्षों में बीता। 'अटल सम्मान' से विभूषित किए जाने वाले कुंअर साहब ने एक बार अपने बचपन के संघर्षों को याद करते हुए हिंदी प्रेमियों, पाठकों और अपने चाहने वालों को कुछ महत्वपूर्ण बातें बताई थीं। दरअसल, वे प्रख्यात कवि एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर ग्वालियर के चैम्बर ऑफ कॉर्मस में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे, जब अपने बचपन के संघर्षों को याद करते हुए उन्होंने स्वयं ही कहा था- 'दो माह में पिता और छह साल की उम्र में मां का देहांत हो गया। नाना, मौसा और बहनोई के घर पला-बढ़ा। समाज को ही अपना परिवार समझा। गांव में लाइट नहीं थी। कविताएं लिखने का शौक बचपन से था। इसलिए स्ट्रीट लाइट की धीमी रोशनी में खड़े होकर कविताएं लिखता था। दुःख ही मेरी प्रेरणा बने और उसी के बीच से कुंअर बेचैन निकला।'

कुंअर बेचैन की पढ़ाई-लिखाई चंदौसी एवं मुरादाबाद में हुई थी। शिक्षा पूरी करने के बाद एमएमएच पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज गाजियाबाद के हिंदी विभाग में उन्हें अध्यापन की नौकरी मिल गई, जहां 1995 से 2001 तक उन्होंने अध्यापन का कार्य किया और बाद में हिंदी विभागाध्यक्ष के पद से वे सेवानिवृत्त हुए। देश के बड़े गीतकारों और शायरों में शुमार डॉ. कुंअर बैचेन जीवन के अंत तक काव्य मंचों पर सक्रिय रहे। काव्य मंचों पर 'गेयता' एवं 'अच्छी कविता' की प्रतिष्ठा बनाए रखने एवं कविवर गोपालदास नीरज के बाद कवि सम्मेलनों के मंचों पर खूब सराहे जाने वाले कवियों में कुंअर साहब का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। गौरतलब है कि कुंअर साहब ने कविता ही नहीं, बल्कि गीतों में भी इसी परंपरा को कायम रखा था। उनके गीत और कविताएं न केवल पुस्तकों, काव्य मंचों और रेडियो पर पढ़े और सुने जाते रहे हैं, बल्कि टीवी की दुनिया में भी बहुत लोकप्रिय रहे हैं। कुंवर साहब ने कई साहित्यिक विधाओं में सृजन करने का कार्य किया। उदाहरण स्वरूप उन्होंने कविताएं लिखीं, गीत और नवगीत रचे, गजलें और रूबाइयां लिखीं, हाइकु और उपन्यास भी लिखे एवं 'प्रतीक पांचाली' जैसा महाकाव्य भी रचा।

काव्य मंचों से गीत गजलों की प्रस्तुतियों के वक्त कुंअर जी की मोहिनी मुस्कान, व्यवहार की सहजता, वाणी की मृदुता, उनके गीतों के लालित्य एवं गजलों में कथ्य की सहजता और सटीकता श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थी। बता दें कि कुंअर साहब की रचनाओं को पढ़ना, विशेष रूप से काव्य मंचों से उन्हें सुनना एक बेहद अनोखा अनुभव होता था। उनकी गजलों-शायरियों में गजब की ऊर्जा समाहित होती है। देखा जाए तो उनकी समस्त रचनाएं जीवन और जगत् से जुडे उनके अनुभवों की सकारात्मक अभिव्यक्ति हैं। क्रोध और विवाद से कोसों दूर रहने वाले, जिनके व्यक्तित्व में कविता को ही ओढ़ने-बिछाने की अटूट लगन गुंथित है, वाणी और व्यवहार में अत्यंत विनम्रता बरतने वाले एवं कठिनतम परिस्थितियों में भी सकारात्मक बने रहने वाले कुंअर साबह के संबंध में प्रख्यात साहित्यकार एवं मर्मज्ञ डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र मानते हैं कि विनम्रता में वे मैथिलीशरण गुप्त के उश्रराधिकारी थे और जनप्रियता में नीरज जी के। तात्पर्य यह कि उनके व्यक्तित्व में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की-सी विनम्रता तो समाहित थी ही, साथ ही वे कविवर गोपालदास 'नीरज' के जैसे जनप्रिय रचनाकार भी थे।

बता दें कि बचपन से ही गीतों की रचना-यात्रा शुरू कर देने वाले कुंवर जी मूलतः नीरज की भांति गीतकार ही थे, परंतु डॉ. बुद्धिनाथ मिश्र के अनुसार बाद में श्रोताओं के रूझान को देखते हुए वे गजल कहने लगे थे। वहीं, वरिष्ठ गजलकार एवं समालोचक हरेराम समीप के अनुसार कुंवर जी 'गीतधर्मी गजलकार' थे। गौरतलब है कि अपनी गजलों में प्रतीकों, बिंबों के सर्जनात्मक उपयोग के अतिरिक्त कहीं-कहीं पुराख्यानों व मिथकों का भी उन्होंने सुंदर समावेश किया है। उन्होंने अपनी गजलों में आम आदमी के जीवन के संघर्षों और सामाजिक विद्रूपताओं को उचित स्थान प्रदान किया है। कुंअर बेचैन की गजलें तार्किक और भावपूर्ण रचना-विधान से युक्त होने के साथ-साथ परिस्थितिजन्य तनावों से साक्षात्कार भी कराती हैं। उन्होंने गद्य और पद्य की कुल चालीस से भी अधिक पुस्तकों की रचना की। पिन बहुत सारे (1972), भीतर सांकलः बाहर सांकल (1978), उर्वशी हो तुम (1987), झुलसो मत मोरपंख (1990), एक दीप चौमुखी (1997), नदी पसीने की (2005), दिन दिवंगत हुए (2005) आदि उनके प्रमुख गीत-संग्रह हैं। शामियाने कांच के (1983), महावर इंतजारों का (1983), रस्सियां पानी की (1987), पत्थर की बांसुरी (1990), दीवारों पर दस्तक (1991), नाव बनता हुआ कागज (1991), आग पर कंदील (1993), आंधियों में पेड़ (1997), आठ सुरों की बांसुरी (1997), आंगन की अलगनी (1997), तो सुबह हो (2000), कोई आवाज देता है (2005) आदि गजलों के उनके प्रमुख संग्रह हैं। इसी प्रकार नदी तुम रुक क्यों गई एवं शब्दः एक लालटेन (दोनां 1997) उनके प्रमुख कविता-संग्रह हैं। इनके अतिरिक्त उन्होंने 'प्रतीक पांचाली' शीर्षक एक महाकाव्य की रचना भी की थी।

वैसे तो आजकल सम्मानों और पुरस्कारों पर से लोगों का विश्वास उठता जा रहा है और इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये सम्मान और पुरस्कार अपने अर्थ खोते जा रह हैं... ये कला और साहित्य के सच्चे साधकों की वास्तविक ऊंचाई या गहराई बता पाने में असमर्थ होते जा रह हैं, किंतु यही सम्मान और पुरस्कार जब सच्चे कलाकारों एवं साहित्यकारों को सौंपे जाते हैं, तो इनकी चमक और गरिमा में वृद्धि होती है। बहरहाल, कुंअर साहब को 2004 में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का साहित्य भूषण के अलावा कुछ अन्य पुरस्कार एवं सम्मान भी प्राप्त हुए थे। साथ ही उनकी रचनाएं अनेक विश्वविद्यालयों एवं महाराष्ट्र और गुजरात शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रमों में शामिल भी की गई हैं। उनका वास्तविक नाम डॉ. कुंवर बहादुर सक्सेना था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने नाम के साथ 'बेचैन' उपनाम यानी तखल्लुस जोड़ लिया था, जिसके बाद वे कुंअर बैचेन कहलाए। उन्होंने लगभग पांच दशकों तक अपनी रचनाओं के माध्यम से हिंदी की सेवा की। हिंदी गीत-गजलों के राजकुमार कहे जाने वाले कुंअर बैचेन साहब 78 वर्ष की आयु में कोरोना से संक्रमित होने के बाद 29 अप्रैल 2021 को हिंदी के पाठकों, प्रेमियों और अपने चाहने वालों को छोड़कर इस दुनिया से चले गए।

चुनाव 2024

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र,कोलकाता

भारत में मतदान व्यवहार और जनमत सर्वेक्षण

लोकसभा चुनाव 2024 के द्वितीय चरण के चुनाव कई राज्यों में संपन्न हो गए हैं। इन चुनावों के बाद रुझानों का आना भी शुरू हो गया है और इनके आधार पर कई कयास भी लगाए जा रहे हैं । अभी हाल के वर्षों में चुनावी सर्वेक्षण बहुत लोकप्रिय हुए हैं । पिछले दो दशक में संपन्न हुए चुनावों के दौरान भारतीय मतदाताओं के बीच बड़ी संख्या में करवाए गए जनमत सर्वेक्षण इस बात का प्रमाण है कि हमारे देश में चुनावी सर्वेक्षण और सर्वेक्षण करवाने वाली संस्थाओं की लोकप्रियता अधिक बड़ी है। वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में संपन्न लोकसभा चुनावों में चुनाव पूर्व सर्वेक्षण और एग्जिट पोल कराने के लिए भारतीय मीडिया में एक भीषण प्रतियोगिता को देख जा सकता है। भारतीय मीडिया की आपसी प्रतिस्पर्धा इस बात को लेकर होती है कि संभावित चुनावी परिणाम की सबसे सटीक भविष्यवाणी कौन कर सकता है । इसके साथ ही सीटों का सबसे सटीक पूर्वानुमान कौन कर सकता है कि कौन - सी पार्टी चुनाव जीतने जा रही है और मुख्य राजनीतिक दलों को कितनी सीटें प्राप्त हो सकती है। मीडिया में इस बात को लेकर भी प्रतिस्पर्धा रहती है कि किसके पास कितना बड़ा सेम्पल है और कौन अपने नतीजों को दर्शकों/पाठकों के बीच सबसे पहले लेकर पहुंचते हैं । 1980 के दशक में जनमत सर्वेक्षण की लोकप्रियता अधिक बड़ी जब डॉ.प्रणय रॉय ने भारतीय मतदाताओं के मिज़ाज को जानने के लिए चुनावों के दौरान जनमत - सर्वेक्षण संचालित करना प्रारंभ किया । डॉ. रॉय ने प्रयास किया कि जनमत सर्वेक्षण को चुनाव के अध्ययन के लिए और सीटों की भविष्यवाणी के लिए वैज्ञानिक तकनीकी निर्मित की जाए । इस क्रम में डॉ. प्रणय रॉय ने 1989 में 'मार्केटिंग एंड रिसर्च ग्रुप' के सहयोग से एक एग्जिट पोल संचालित किया । इसमें 77,000 मतदाताओं का मतदान केंद्रों पर वोट डाल कर बाहर आने के तुरंत बाद इंटरव्यू लिया गया था । इस सर्वे ने कांग्रेस के जितने की भविष्यवाणी की थी जो सटीक निकली और बाद में चुनाव के परिणामों ने सर्वे के सटीक होने की पुष्टि की । इसकी सफलता के बाद डॉ. प्रणय रॉय भरतीय दर्शकों और टेलीविजन के बीच अत्यंत लोकप्रिय हो गए। डॉ. प्रणय रॉय की इस सफलता को 1990 में उभरते इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने हाथों हाथ लिया। मीडिया और जनमत सर्वेक्षण दोनों विकास के पथ पर अग्रसर हो गए। भारत में चुनावी सर्वेक्षण की शुरुआत कोई नई बात नहीं है। भारतीय मतदाताओं के मत और मिज़ाज को मापने के लिए संस्थात्मक स्तर पर किए जाने वाले जनमत सर्वेक्षण की पहली पहल 1950 के दशक में ही हो गई थी। डॉ. एरिक डिकोस्टा की अमेरिकी संस्था 'अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ़ पब्लिक ओपिनियन की तर्ज पर 'इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ पब्लिक ओपिनियन' की स्थापना की गई थी। डॉ. एरिक डिकोस्टा को भारत में जनमत सर्वेक्षण का जनक कहा जाता है। डॉ.डिकोस्टा एक अर्थशास्त्री थे और उनकी रुचि उपभोक्ता से संबंधित अध्ययनों में अधिक थी लेकिन इसके बावजूद उन्होंने भारत में आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर जनमत सर्वेक्षण प्रारंभ किया। आई.आई.पी.ओ. ने दिल्ली, पश्चिम बंगाल और केरल में कुछ राजनीतिक अध्ययन किए थे जिन्हें इसी संस्था की प्रथम जर्नल 'पब्लिक ओपिनियन स्टडीज' में प्रकाशित किया गया था । 1957 के दूसरे लोकसभा चुनाव के पूर्व अखिल भारतीय स्तर पर पहला जनमत सर्वेक्षण कराया गया । इस जनमत सर्वेक्षण के आधार पर पहली चुनावी भविष्यवाणी की गई थी जो एकदम सही साबित हुई । यह जनमत सर्वे भारतीयों के मतदान व्यवहार पर केंद्रित किया गया था। इसमें यह जानने का प्रयास किया गया था कि मतदाताओं द्वारा मतदान करने के निर्णय में किस प्रकार उनकी आय,धर्म और व्यवसायिक पृष्ठभूमि के आधार पर अंतर होता है। इस सर्वे ने राजनेताओं की लोकप्रियता को जानने का भी प्रयास किया था और इसके आधार पर विभिन्न पार्टियों के लोकप्रिय नेताओं की सूची भी प्रकाशित की थी। आई.आई.पी.ओ. द्वारा कराए गए चुनावी सर्वेक्षण का मुख्य फोकस इस बात पर था कि मतदाता मतदान करने का निश्चय किस प्रकार करते हैं और उनके वोट देने के निर्णय को जाति, समुदाय,देश के प्रमुख राजनीतिक मुद्दे,नेताओं की लोकप्रियता आदि किस प्रकार प्रभावित करते हैं। 1980 में डॉ. एरिक डिकोस्टा ने आई.आई.पी.ओ. द्वारा कराए गए सर्वेक्षण की समीक्षा करते हुए कहा था कि 'उस समय वास्तव में यह भी पता नहीं था कि अखिल भारतीय स्तर पर जनमत सर्वेक्षण करना सच में संभव है या नहीं। निरक्षरता की समस्या और भारत के कई क्षेत्रों में रैंडम सैम्पल के संचालन में आ रही समस्याओं के कारण यह बहुत मुश्किल लग रहा था। सच्चाई यह है कि यह प्रयोग असाधारण रूप से सफल सिद्ध होगा यह तब तक प्रमाणित नहीं हुआ जब तक 1957 में पहला राष्ट्रीय सर्वेक्षण प्रकाशित नहीं हो गया'। डॉ. डिकोस्टा ने कहा था कि 'जनमत की महान शक्ति पर शोध करके विदेशों में मतदान के निश्चयों और परिणामों की भविष्यवाणी की जाती थी या फिर अनेकों संवेदनशील विषयों पर विचार किया जाता था । 1957 में पहली बार भारत में उसका प्रयोग किया गया। कमोबेश यह एक नए भारतीय अविष्कार के रूप में प्रकट हुआ था'। आई.आई. पी.

ओ.के अतिरिक्त व्यक्तिगत स्तर पर भी चुनाव अध्ययन के प्रयास किये गए । 1967 में वी.एम.सिरसीकर ने पुणे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का अध्ययन किया था । इस अध्ययन से कुछ रोचक तथ्य निकल कर सामने आए थे । भारत में अधिकांश लोगों का लोकतंत्र, चुनावों और राजनीतिक दलों में विश्वास था। जो लोग ज्यादा शैक्षणिक योग्यता रखते थे उनका लोकतंत्र पर कम यकीन था जबकि कम शिक्षित लोगों का विश्वास लोकतंत्र पर अधिक था। जाति और समुदाय पर आधारित अल्पसंख्यक समूहों के मतदाताओं में कांग्रेस पार्टी सर्वाधिक पसंदीदा विकल्प थी । किसे वोट दिया जाएगा इसका निर्णय परिवार के मुखिया के द्वारा लिया जाता था । उच्च शिक्षित परिवारों में यह तुलनात्मक रूप से थोड़ा कम था लेकिन निर्णय लेने का संपूर्ण अधिकार परिवार के मुखिया के पास सुरक्षित था। उम्मीदवार, पार्टी,जाति और समुदाय मतदान का निर्णय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । इसी वर्ष कीनी ने नागपुर में एक पैनल सर्वे संचालित किया। इस अध्ययन ने इस तथ्य को उजागर किया कि कांग्रेस पार्टी के मजबूत नेतृत्व और मुद्दों से प्रभावित होकर मतदाताओं ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया। इसके अतिरिक्त जाति, धर्म,लिंग,शिक्षा और आय राजनीतिक जागरूकता और प्रभाव के निर्धारण के मत्वपूर्ण तत्व थे। भारत में मतदान व्यवहार को मापने की परंपरा को आगे बढ़ाने का श्रेय इल्डसवेल्ड और बशीरुद्दीन अहमद को है । आप दोनों ने ही 1967 और 1971 के आम चुनावों का अखिल भारतीय स्तर पर सर्वेक्षण किया था। इसमें भारतीय मतदाताओं के मतदान व्यवहार और रुझानों के आंकड़ों का अंतर देशीय तुलना के लिए भी प्रयोग किया गया था। 1960 में समूचे देश में सैम्पल सर्वे पर आधारित आम चुनावों के अकादमिक अध्ययन की शुरुआत विकासशील समाज अध्ययन पीठ (सी.एस.डी.एस.) दिल्ली के द्वारा की गई थी। यह अध्ययन राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन (एन. ई. एस.) के नाम से लोकप्रिय है। 1967 में पहला राष्ट्रीय चुनाव अध्ययन भारतीय मतदाताओं के राजनीतिक व्यवहार, मत और रुझान के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए संचालित किया गया था। 1960 के दशक के अंत में एम.एन. श्रीनिवासन और ए. एम. शाह ने चुनावों का एथनोग्राफ़िक अध्ययन संचालित किया था । इसके लिए मानवशास्त्रीयों ने चुनावों के अवलोकन और मतदाताओं के मतदान व्यवहार के अध्ययन के लिए सहभागी अवलोकन पद्धति का प्रयोग किया था। इसके अतिरिक्त 1980 में हौसर और सिंगर ने बिहार में दो चुनावों का अवलोकन आधारित अध्ययन संचालित किया था। 2007 में मुकुलिका बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान वहां एक गांव में एथनोग्राफ़िक अध्ययन किया था। एथनोग्राफ़िक अध्ययनों में मतदाताओं के मतदान - व्यवहार के सहभागी अवलोकन और चुनावों के गुणात्मक पहलुओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया था । मतदाताओं के मतों और रुझानों को जानने के लिए 1990 में राजनीतिक पार्टियों ने भी चुनावी सर्वेक्षण कराने की प्रक्रिया को अपना लिया था । इस प्रकार कई राजनीतिक पार्टियों ने सर्वेक्षण संचालित कराने और ज़मीनी स्तर पर मौजूदा सच्चाई के बारे में विस्तृत रिपोर्ट जानने के लिए सर्वेक्षण एजंसियों को हायर कर लिया था । हाल के कुछ वर्षों में नेताओं ने व्यक्तिगत स्तर पर भी अपने निर्वाचन क्षेत्र में सर्वे कराने की शुरुआत की है । नेताओं द्वारा सर्वे के परिणामों का निर्वाचन क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता के सबूत के रूप में भी पेश किया जाता है ताकि पार्टी उसे टिकिट दे। इसके साथ ही राजनीतिक पार्टियों और उम्मीदवारों द्वारा जनमत सर्वेक्षण का दुरुपयोग छ्ल - कपट के लिए भी किया जाता रहा है । सेंटर फॉर द मीडिया स्टडी के एन. भास्कर राव कहते हैं कि जनमत सर्वेक्षण के व्यवसाय में इसके दुरुपयोग किए जाने की भी अधिक संभावना है । प्रायः नेताओं द्वारा अपने वांछनीय निष्कर्षों को साबित करने के लिए जनमत सर्वेक्षण को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है । मीडिया ने चुनावों के दौरान सर्वेक्षण संचालित करने के लिए विभिन्न मार्केट रिसर्च संगठनों को शामिल करना प्रारंभ कर दिया है । इन सर्वेक्षणों का उद्देश्य मतदाताओं के मिज़ाज को जानना और चुनाव के परिणामों की भविष्यवाणी करना था । वर्तमान समय में एग्जिट पोल सभी के लिए जाना माना शब्द बन गया है । चुनावों का पूर्वानुमान करना तथा राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय चुनावों में किन पार्टियों के गठबंधनों को कितनी सीटें प्राप्त होगी,इसकी भविष्यवाणी करना इस दशक की एक सामान्य विशेषता बन गयी है। 2024 के लोकसभा चुनाव के जनमत सर्वेक्षण में यह देखना भी दिलचस्प होगा कि जनता ने किन मुद्दों को अहमयित दी है और किनको नकारा है। विपक्ष द्वारा लगातार लोकसभा चुनाव 2024 को संविधान और लोकतंत्र को बचाये और बनाये रखने की मुहिम के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है । इसमें यह भी जानना दिलचस्प होगा कि हमारे देश की अवाम के लिए भारतीय संविधान और लोकतंत्र के क्या मायने हैं। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने पहले आम चुनावों की अपनी सभी सभाओं के भाषणों में लगातार साम्प्रदायिक ताकतों के विरुद्ध आर या पार की लड़ाई की बात कहीं थी और भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने की अभिप्रेरणा का संचार जनों में किया था। वर्तमान समय में क्या हम एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक राष्ट्र व लोकतांत्रिक मूल्यों की अवधारणा को आत्मसात कर चुके है ? इन सवालों से हमें लगातार मुखतिब होना आवश्यक है तभी हम विकसित भारत और भारत लोकतंत्र की मातृका को चरितार्थ कर पाएंगे।

कांग्रेस के लिए भगवान राम काल्पनिक : डॉ. मोहन यादव

भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके के समर्थन में मलाजपुर में मुख्यमंत्री की जनसभा

बैतूल। धर्म और आस्था की पवित्र भूमि मलाजपुर में आना मेरा सौभाग्य है, गुरूसाहब बाबा के द्वार से कभी कोई निराश नहीं लौटता, आप लोगों ने 1996 से अब तक लगातार भाजपा से ही प्यार जताया है। आपके प्यार की वजह से ही 2014 में एक वोट से सैनिकों का सम्मान बढ़ा है। वहीं 2019 में आपने भाजपा को वोट दिया तो आज अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बना है। कांग्रेस भगवान राम को काल्पनिक बताती रही, पूरे देश को पता है, भगवान राम का जन्म सरयू किनारे अयोध्या में हुआ था, सिर्फ कांग्रेस को नहीं पता। उक्त उदगार प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चिचोली के मलाजपुर में आयोजित जनसभा में प्रकट किए। श्री यादव ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जियो और जीने दो के दर्शन पर, पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाई है। कोरोना के भीषण दौर में न सिर्फ देशवासियों, बल्कि अन्य देशों के लिए भी कोरोना की वैक्सीन मोदी सरकार ने उपलब्ध कराई। कांग्रेस का काम अटकाना और भटकाना रहा, भाजपा के राज में विकास को गति मिली है। बैतूल-हरदा-हरसूद में जहां सिंचाई के साधनों का निर्माण हुआ है, वहीं 1 लाख 10 हजार प्रधानमंत्री आवास बनने से गरीबों को घर मिला है। 2024 के इस चुनाव में भी अधिक से अधिक मतदान कर मोदी जी को विजयी बनाना है। जिसके बाद अयोध्या में जैसे अब प्रभु श्रीराम अपने मंदिर में मुस्कुरा रहे है, उसी तरह जन्माष्टमी पर अब मथुरा में मटकी फोड़ने की तैयारियां है। जनसभा को संबोधित करते भाजपा प्रत्याशी दुर्गादास उइके ने कहा कि मोदी सरकार के आने से आदिवासी समाज का मान और सम्मान लगातार बढ़ रहा है। मोदीजी ने हमारे समाज की बहन को राष्ट्रपति बनवाया है। कांग्रेस की सरकार, जनजाति के भाई बहनों को सिर्फ भ्रम में रखती रही है। आज 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस के रूप में हम बिरसा मुंडाजी की जयंती मनाते है। प्रदेश में रानी दुर्गावती का स्मारक करोड़ों की लागत से बन रहा है। एनीमिया और सिकलसेल जैसी गंभीर बीमारियों के लिए अलग से बजट है। जनजाति समाज के राष्ट्र नायकों को उचित स्थान मोदी सरकार में मिला है। गरीब का मोटा अनाज, आज विश्व में अपनी अलग पहचान बना रहा है। जल जंगल और जमीन की समृद्धि और सुरक्षा के साथ-साथ सुलभता के लिए मोदी सरकार जरूरी है, जिसके लिए सभी को मतदान बढ़ाने की जरूरत है।

जनसभा के दौरान ये रहे मंचासीन-

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, लोकसभा चुनाव प्रदेश संयोजक हेमंत खंडेलवाल, लोकसभा प्रभारी भरत सिंह राजपूत, लोकसभा संयोजक अलकेश आर्य, जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, विधायक गंगा उइके, डॉ.योगेश पंडाग्रे, चंद्रशेखर देशमुख, महेंद्र सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पंवार, उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, पूर्व विधायक रामजीलाल उइके, मंगलसिंह धुर्वे, गीता उइके, पूर्व जिलाध्यक्ष अनिलसिंह कुशवाह, जिला महामंत्री सुधाकर पंवार, कमलेश सिंह, शंकरराव चढोकार, जनपद अध्यक्ष शाहपुर शिवशंकर मवासे, उपाध्यक्ष रोशनी ठाकुर, जनपद अध्यक्ष भीमपुर भैयालाल इरपाचे, उपाध्यक्ष प्रेमलता कास्दे, जिला पंचायत सदस्य विल्किस बारस्कर, नगर परिषद चिचोली अध्यक्ष वर्षा मालवीय, उपाध्यक्ष वर्षा आवंलेकर, नगर परिषद अध्यक्ष शाहपुर रोहित नायक, मंडल अध्यक्ष नितेश आवंलेकर, विशाल सिंह ठाकुर, मंडल प्रभारी दीपक सलूजा, अबिजर हुसैन, रंजीत सिंह, आनंद प्रजापति आदि विशेषरूप से मौजूद रहे। जनसभा का संचालन जिला मंत्री शक्ति गणपति धुर्वे एवं आभार जिला कोषाध्यक्ष कांतिलाल यादव ने व्यक्त किया।

हर विधा के योग्य व्यक्तित्वों का समूह है जनपरिषद : अनु सपन

- मिसेज यूनिवर्स प्रगति सेठ का हुआ भव्य स्वागत
- अनु सपन बनीं जन परिषद वूमेन विंग की प्रांतीय अध्यक्ष

भोपाल। जन परिषद प्रत्येक विधा के योग्य एवं रचनात्मक मानसिकता वाले व्यक्तित्वों का एक आदर्श समूह है। उक्त उद्गार देश की ख्यातिनाम कवयित्री अनु सपन ने जन परिषद वूमेन विंग की प्रांतीय अध्यक्ष बनने पर व्यक्त किए। कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन.के. त्रिपाठी, अजय श्रीवास्तव नीलू, ओ.पी. गुप्ता, मिसेज यूनिवर्स प्रगति सेठ, रघुवीर तिवारी, रामजी श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, महेंद्र जोशी, अरविंद श्रीवास्तव, रउफ खान लाला, दुर्गेश रैकवार, अजय श्रीवास्तव (सागर), राजेंद्र निगम, राजेश गुप्ता, नितिन श्रीवास्तव, मंजू सराठे, रामेश्वर खावदे, विद्या शुक्ला एवं नूरी खान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

इनको मिला सम्मान-

इस अवसर पर मिसेज यूनिवर्स टाइटैनिक ब्यूटी सुश्री प्रगति सेठ, सुश्री अनु सपन, राउफ खान लाला, रघुबीर तिवारी, अजय श्रीवास्तव, मंजू सराठे एवं विद्या शुक्ला को, अध्यक्ष एनके त्रिपाठी, ओपी गुप्ता एवं अजय श्रीवास्तव नीलू ने सम्मानित किया।

अनु सपन बनीं वूमेन विंग की अध्यक्ष- इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एनके त्रिपाठी ने प्रमुख रूप से सुश्री अनु सपन को जन परिषद की वूमेन विंग का प्रांतीय अध्यक्ष, महान भारत सागर, एसके मिश्रा, अजातशत्रु श्रीवास्तव एवं कमल जैन को कोर कमेटी का उपाध्यक्ष, अजय श्रीवास्तव नीलू एवं ओपी श्रीवास्तव को महासचिव, रघुवीर तिवारी, विनोद श्रीवास्तव, नितिन श्रीवास्तव, राजेंद्र निगम, दुर्गेश रैकवार, अतुल कुलश्रेष्ठ, राउफ खान लाला को प्रांतीय सचिव मनोनीत किया।

प्रगति बनीं ब्रांड एम्बेसडर- जन परिषद के उपाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने प्रगति सेठ को जन परिषद का ब्रांड एंबेसडर मनोनीत करने की घोषणा की। ज्ञात रहे सुश्री प्रगति मिसेज एमपी भी रह चुकी हैं। कार्यक्रम का संचालन संस्था के संयोजक रामजी श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष महेंद्र जोशी ने किया। आभार प्रदर्शन पत्रकार विनोद श्रीवास्तव ने किया।

मालवीय हाउस शिवाय में चल रहे अखंड संकीर्तन इक्का में शामिल हुए पूर्व सांसद

बैतूल। श्रीश्री 108 अखंड नायक परमहंस श्री केशवानंद श्री धूनीवाले बड़े दादाजी महाराज एवं श्री हरिहरानंद छोटे दादाजी महाराज की असीम कृपा से भैंसदेही के मालवीय बंधु के निवास शिवाय में श्री दादाजी नाम अखंड संकीर्तन का भजन भजलो दादाजी का नाम भाजलो लो हरिहरजी का नाम की पावन जयघोष के साथ शनिवार को सुबह 12 बजे से शुरू हो गया। इस धार्मिक आयोजन में बैतूल-हरदा सांसद दुर्गादास उईके 8 बजे शिवाय निवास पहुंचकर धने वाले दादाजी की मूर्ति के समक्ष पूजा-अर्चना की ओर दादाजी की प्रसादी ग्रहण किया। सांसद के साथ भाजपा नेता प्रदीप किलेदार और भैंसदेही नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर भी मौजूद थे। मालवीय निवास के मुखिया राजेश मालवीय ने बताया कि दादाजी महाराज का आगमन 26 अप्रैल को शाम 5 बजे हमारे निवास शिवाय में हो चुका है। इसके बाद भजलो दादाजी का नाम भजलो हरिहरजी का नाम, का अखंड जाप 27 अप्रैल को सुबह 12 बजे से चल रहा है। आज दूसरे दिन 28 अप्रैल को सुबह 11 बजे महाआरती और महाप्रसादी का आयोजन किया गया है।

भैंसदेही के त्रिवेणी वार्ड मालवीय मोहल्ला के राजेश बृजेश और संदीप मालवीय ने समस्त श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि सभी धर्म प्रेमी भजलो दादाजी का नाम, भजलो हरिहरजी के नाम के अखंड जाप में शामिल हो और महाआरती में भी सम्मिलित होकर महाप्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ जरूर अर्जित करें ।

- खिलाड़ियों ने की एफआईआर दर्ज करने की मांग

मिनी स्टेडियम बना असामाजिक तत्वों का अड्डा

खेल मैदान की फेंसिंग तोड़कर गायब हुआ ठेकेदार

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर का एकमात्र सीएम राइज विद्यालय मिनी स्टेडियम अपराधिक गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। शिवर लाइन प्रोजेक्ट के ठेकेदार ने लाखों रुपए की लागत से बने मिनी स्टेडियम की फेंसिंग तोड़ दी जिससे असामाजिक तत्वों का स्टेडियम में पहुंचना आसान हो गया है। शाम होते ही मिनी स्टेडियम (हाई स्कूल ग्राउंड) में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा हो जाता है। ग्राउंड पर जगह-जगह मयखाने का माहौल होता है और शराब पीकर शराबी स्टेडियम में बाटले फोड़ कर चले जाते हैं और जब सुबह खिलाड़ी खेलने को आते हैं तो पहले उन्हें ग्राउंड से टूटी हुई बोतलों के कांच हटाने पड़ते हैं। सुबह होते ही ग्राउंड पर खेलने वाले, व्यायाम करने वाले और दौड़ने वाले लोगों का जमावड़ा हो जाता है खिलाड़ी छात्राएं, छोटे-छोटे बच्चे यहां घूमने भी आते हैं और ग्राउंड पर पहुंचते ही इनका सामना असामाजिक तत्वों की रात मे फैलाई गंदगी से होता है। प्रतिदिन ग्राउंड पर क्रिकेट की प्रेक्टिस करने जाने वाले खिलाड़ी भुजबल चौरे, योगेश एम्बुलकर, अमनदीप चावला ,गणेश साहू ,विकास विश्वकर्मा एवं सीनियर क्रिकेट खिलाड़ी अब्बू खान बताते हैं कि प्रतिदिन खेलने से पहले कांच को हटाना टूटी हुई शराब की बोतलों को ढूंढना इनको जमा करना और फेंकना खिलाड़ियों के लिए बड़ी समस्या बन गया है एक महीने से प्रतिदिन ग्राउंड पर पहुंचकर एक घंटा शराबियों द्वारा फैलाई गई गंदगी को साफ करने में लगता है। खिलाड़ियों ने कहा कि शासन को चाहिए कि फेंसिंग तोड़ने वाले ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराए और असामाजिक तत्वों पर ठोस कार्रवाई करें।

निर्माण एजेंसी ने बर्बाद कर दिया मिनी स्टेडियम -

सीएम राइज विद्यालय की भूमि पर जब मिनी स्टेडियम निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई, तो विद्यालय के आधिपत्य कायम रहने की शर्त पर खेल एवं युवक कल्याण विभाग ने मिनी स्टेडियम के लिए राशि स्वीकृत की और इसके लिए नगर पालिका को निर्माण एजेंसी बनाया गया। और यहीं से प्रारंभ होता है मिनी स्टेडियम के बर्बादी का सिलसिला । 8 साल में लगभग 50 लाख रुपए से अधिक राशि खर्च किए जाने के बावजूद ग्राउंड की स्थिति सुधारने के बजाय और बिगड़ गई। नगर पालिका तत्कालीन अधिकारी ने सभी नियमों को ताक पर रखकर खिलाड़ियों के लिए बने 12 से अधिक कमरों को मात्र दो हजार रुपए मासिक किराए से सीवर लाइन प्रोजेक्ट के ठेकेदार को दे दीया और ठेकेदार ने मिनी स्टेडियम में मटेरियल जमा करने के लिए लाखों रुपए मूल्य की फेंसिंग को तोड़ देता दीया। होना यह चाहिए था कि खेल एवं कल्याण विभाग इसके प्रमुख पुलिस अधीक्षक होते हैं और जिसकी भूमि एवं खेल मैदान पर आधिपत्य है सीएम राइज विद्यालय ने तत्काल सीवर लाइन ठेकेदार के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज करवा कर तोड़ी हुई फेंसिंग का निर्माण कार्य करवाना था किंतु अखबारों में समाचार प्रकाशन के बाद भी कोई सामने नहीं आया सब मौन रहे और नतीजा आज खिलाड़ियों को भुगतना पड़ रहा है।

जनरल स्टोर्स पर सामान्य दवाइयां बेचने का विरोध

औषधि विक्रेताओं ने केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर नाराजगी जताई

बैतूल। देश की अन्य जगह के साथ बैतूल में जनरल और प्रोविजन स्टोर्स पर शीघ्र ही सर्दी-खांसी, गैस, बुखार एवं अन्य कुछ बीमारियों की दवाइयां मिलने लगेगी। केंद्र सरकार ने इसके लिए इस वर्ष की शुरुआत में विशेषज्ञों की एक समिति बनाई थी, जो ओवर-द-काउंटर दवा नीति बनाने पर विचार कर रही है। सरकार के इस प्रस्ताव पर बैतूल के औषधि विक्रेताओं ने भी नाराजगी जाहिर करते हुए इसके दुष्परिणामों को लेकर एक प्रेस नोट भी जारी किया है। जिला औषधि विक्रेता संघ के अध्यक्ष मनजीत सिंह साहनी और सचिव सुनील सलूजा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि आल इंडिया आर्गनाइजेशन ऑफ कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स ने देश में बिना लाइसेंस के ओटीसी दवाओं की बिक्री की अनुमति देने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर गहरी इक्षचता व्यक्त की है। जारी विज्ञप्ति में बताया कि देश के स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव, भारत के औषधि महानियंत्रक, स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के अध्यक्ष और अन्य संबंधित अधिकारियों को पिछले दिनों सौंपे गए ज्ञापन में एआईओसीडी ने इस प्रस्ताव से जुड़े जोखिमों पर प्रकाश डाला है। श्री साहनी और सलूजा ने बताया कि संगठन के अध्यक्ष जेएस शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने भी इस बात पर जोर दिया कि इस तरह का कदम मौजूदा दवा कानूनों-फार्मेसी विनियमों और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों सहित प्रासंगिक कानूनी ढांचे का उल्लंघन करेगा।

जारी बयान औषधि विक्रेता संघ के दो प्रमुख पदाधिकारियों ने बताया कि ओटीसी दवा बिक्री की अनुमति देने से गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। इनमें खतरनाक स्वचिकित्सा और नशीली दवाओं का दुरुपयोग, फार्मासिस्ट परामर्श सेवाओं का अभाव, प्रतिकूल दवा प्रतिक्रियाओं का बढ़ता जोखिम, नकली दवाओं का प्रसार, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में देरी, दवा की अधिक मात्रा से बीमारियों की अधिक घटनाएं, दवा भंडारण के मानकों से समझौता और अपर्याप्त फार्माकोविलिजेंस उपाए आदि शामिल हैं।

जनपद सदस्य ने मजदूर बनकर दूर की क्षेत्र की समस्या

हैंडपंप की केसिंग के टूटने की समस्या को तुरंत किया हल

बैतूल। आठनेर क्षेत्र के जनपद सदस्य दीपक चौरे ने अपने जनपद क्षेत्र में सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका को और भी मजबूत किया। उन्होंने ग्राम पंचायत में हुए नल की रिपेयरिंग के लिए स्वयं ही वेल्डिंग कार्य किया। इसके अलावा, उन्होंने गृह पंचायत के ग्राम एनखेड़ा में एक हैंडपंप की केसिंग के टूटने की समस्या को तुरंत हल किया। श्री चौरे ने बताया कि उन्हें ग्रामीणों द्वारा सूचित किया गया था और उन्होंने तत्काल वेल्डिंग मशीन ले जाकर समस्या का समाधान किया। इस कार्य से ग्राम वासियों को पानी की समस्या से राहत मिली और उन्हें अपने निकट नेता के समर्थन का आभास हुआ। ग्रामीणों का कहना है दीपक चौरे नेतृत्व और समाजसेवा में योगदान का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह सच में एक नए और उत्कृष्ट कदम है जो श्री दीपक चौरे जी ने उठाया है। उनकी इस पहल से स्पष्ट होता है कि वे नेतृत्व के नाम पर ही नहीं, बल्कि सच्ची सेवा के नाम पर भी काम करने को तैयार हैं। इससे उन्होंने साबित किया है कि वे जनता के साथ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए कठिनाइयों का सामना करने को भी तैयार हैं। ऐसे नेता की उपस्थिति में समाज में आत्मविश्वास और भरोसा बढ़ता है। राजनीतिक क्षेत्र में अगर जनप्रतिनिधियों की बात की जाए तो अक्सर देखा जाता है कि नेता चुनाव के पहले जनता के चरणों में दिखते हैं, और उनकी समस्याओं को लेकर बात करते हैं, लेकिन यह पहली बार देखा गया कि आठनेर के एक जनपद सदस्य ने स्वयं वेल्डिंग करके क्षेत्रीय जनता की समस्या को मजदूर बनकर दूर किया और पूरे जिले के जनप्रतिनिधियों को नैतिकता का पाठ पढ़ाया। जनता के प्रति नेताओं को ऐसी ही कार्य प्रणाली रखनी चाहिए।

खाटू श्याम बाबा की 900 किमी की यात्रा रोहित सिंह राजपूत रवाना

राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने किया भव्य स्वागत

बैतूल। कहते हैं कि भगवान स्वयं के दर्शन के लिए भक्तों को भुलावा भेजते हैं। जिससे भरी गर्मी में 900 किमी की विषम यात्रा का साहस भी अपने आप आ जाता है। ऐसे ही भट्डूस निवासी रोहित सिंह राजपूत भगवान खाटू श्याम बाबा के दर्शन के लिए रविवार को रवाना हुए। इस बीच खाटू श्याम बाबा मंदिर कोसमी मंदिर समिति और राष्ट्रीय हिन्दू सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने श्री राजपूत का अभिनंदन किया, पूजन एवं प्रसादी वितरण कर उन्हें शुभकामनाओं के साथ विदा किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने कहा कि इतनी तेज धूप में ऐसा संकल्प दिव्य शक्ति के कारण ही संभव है। जिला अध्यक्ष अनुज राठोर ने बताया कि रोहित सिंह राजपूत ने संकल्प लिया था की वह राजस्थान स्थित खाटू श्याम मंदिर पैदल निशान लेकर यात्रा कर दर्शन के लिए पहुंचेगे। रितिक वाघमारे और प्रखंड उपाध्यक्ष राजा कुभारे ने बताया कि आज यात्रा का पहला पड़ाव पाढ़र होगा। प्रांत प्रवक्ता अखिलेश वाघमारे ने कहा की श्री राजपूत ने बताया है कि युवाओं की आस्था हिन्दू धर्म कितनी प्रगाढ़ है और युवा धर्म के प्रति कितनी आस्था रखते हैं। यह यात्रा जिले के लिए एक उदाहरण होगी। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, प्रफुल्ल ठाकरे, गोलू यादव, राहुल पवार राजू मदरे, निखिल सिंह राजपूत, मोहित सिंह राजपूत, हेमंत पाटिल,तरूण पवार, खाटू श्याम मंदिर समिति सदस्य रामेश्वर देशमुख, अरूण चढ़ोकार, शैलेश गावड़े, साहादेव कुबडे, साहादेव लिखितकर, ललित राठोर, गोलू गावडे, सोनू कारे आदि मौजूद थे।

चेक बाउंस मामले में 6 माह कारावास 1 लाख अर्थदंड की सजा

- न्यायाधीश प्रथम श्रेणी मुलताई के न्यायालय का फैसला

बैतूल/मुलताई। न्यायाधीश प्रथम श्रेणी मुलताई के न्यायालय ने चेक बाउंस के एक मामले में आरोपी को 6 माह के साधारण कारावास और 1 लाख 8 हजार अर्थदंड से दंडित किए जाने की सजा सुनाई है। फरियादी राजकुमार के अधिवक्ता भीमराव उपराले ने बताया कि यह मामला वर्ष 2023 में हुआ था, जब राजेश ने राजकुमार को एक चेक दिया था, जिसमें फंड नहीं था, राजेश पवार ने हार्वेस्टिंग मशीन खरीदने के नाम पर राजकुमार से पैसे लिए थे, मशीन न देने की स्थिति में जब राजकुमार ने राजेश पवार से पैसे की मांग की, तो राजेश पवार ने राजकुमार को 95 हजार का चेक सेंट्रल बैंक का दिया था, जो की बाउंस हो गया। यह मामला माननीय न्यायाधीश प्रथम श्रेणी के न्यायालय में प्रस्तुत हुआ, जिसमें न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए अभियुक्त राजेश पवार को धारा 138 प्राकाम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत अपराध के लिए दोषी पाते हुए 6 माह के साधारण कारावास एवं 1 लाख 8 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। ब्याज की राशि नहीं देने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास से दंडित किया जाएगा।

आनन-फानन में नलजल योजना का शुरू किया निर्माण कार्य

चुनाव बहिष्कार के ऐलान के बाद सक्रिय हुआ महकमा

बैतूल। भीमपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत दामजीपुरा के भारगढ़ ग्राम में पीने के पानी के लिए ग्रामीण तपती गर्मी में पसीना बहाने के लिए मजबूर हो रहे थे। पानी की समस्या को लेकर इस खबर को मीडिया ने पिछले दिनों प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिससे अधिकारियों में हडक़ंप मच गया और इसके बाद शनिवार को आनन-फानन में ग्राम में नलजल योजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत दामजीपुरा के ग्राम भारगढ़ के ग्रामीणों के द्वारा पानी की समस्या को लेकर पिछले दिनों लोकसभा के चुनाव का बहिष्कार और वोट न डालने की चेतावनी दी थी जिससे जिले के अधिकारियों में हडक़प मच गया था, जिसको लेकर शनिवार को नलजल योजना का निर्माण कार्य शुरू कर दिया। नलजल का निर्माण कार्य शुरू होने से ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी की लहर देखी जा रही है। उन्होंने मीडिया के प्रति आभार जताया है।

श्री कृष्ण धर्म, राजनीति और आध्यात्मिकता के प्रणेता: पं.राजुल पांडे

- भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कृष्ण जन्म की सुनाई कथा

बैतूल। भगवान श्री कृष्ण ने धर्म, राजनीति, और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने गीता में अर्जुन को धर्म के मार्ग पर लाने के लिए शिक्षा दी, जिससे धर्म क्षेत्र में नेतृत्व किया। वे राजनीतिक क्षेत्र में भी एक योद्धा और राजा के सलाहकार के रूप में प्रसिद्ध थे। आध्यात्मिक क्षेत्र में, उनके उपदेश और लीलाएं जीवन के सभी पहलुओं को संतुलित और समृद्ध बनाने में मदद करती हैं। उन्होंने मनुष्य को अपनी आत्मा के आध्यात्मिक अनुभव के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया। इसलिए, श्री कृष्ण धर्म, राजनीति, और आध्यात्मिकता के प्रणेता के रूप में माने जाते हैं। विनोबा नगर में पालीवाल परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पंडित राजुल पांडे ने कृष्ण जन्म की कथा सुनाते हुए यह बात व्यक्त की। उन्होंने बताया जब-जब धर्म की हानि होने लगती है, अनाचार अत्याचार पनपने लगता है तो परमात्मा को आना पड़ता है। उन्होंने कंश के अत्याचारों का वर्णन किया। जीवात्मा का परमात्मा से मिलन आदि विषयों पर कथा सुनाई। भागवत कथा सुनने प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्री सत्संग प्रेमी मंडल पचमढ़ी मधुर संगीत के साथ संगीत में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

प्रदेश संगठन महामंत्री ने धरमपुरी विधानसभा के शक्ति केंद्र से ऊपर के कार्यकर्ताओं की बैठक ली

भाजपा का हर निर्णय देश हित में : हितानंद शर्मा

- बैठक में कार्यकर्ताओं को दिए बूथ जितने के मंत्र

धार। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने जिले की धरमपुरी विधानसभा में बैठक कर धरमपुरी विधानसभा के मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मोर्चो के मंडल अध्यक्ष और विधानसभा में निवासरत जिला पधाधिकारी और शक्ति केंद्र संयोजक ऐसे प्रमुख कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक कि लोकसभा चुनाव तैयारियों को लेकर विशेष चर्चा कर बूथ जितने के मंत्र दिए । बैठक में संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी, लोकसभा चुनाव प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार, संयोजक प्रभु राठौर, सह संयोजक राधेश्याम यादव, क्षेत्रीय विधायक कालू सिंह ठाकुर मंचासीन रहे। सर्व सर्वप्रथम अतिथियों ने भारत माता व भाजपा के पित्र पुरुष के चित्रों पर माल्यार्पण कर बैठक को विधिवत आरंभ किया । संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने अपने संबोधन में

कार्यकर्ताओं को कहाँ की भाजपा का हर निर्णय देश हित में होता है। हर कार्यकर्ता धार महू लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की विजय के साथ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार पुनः प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले। भाजपा को धरमपुरी विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर 370 वोट अधिक मिले एवं हमारी पार्टी का मत प्रतिशत 51 प्रतिशत या उससे अधिक हो। श्री शर्मा ने यह भी बताया कि हमे किस तथ्यात्मक बातों से जनता के बीच पहुँचना है। और खोखली हो चूँकि कांग्रेस को धार जिले से भी पूरी तरह समाप्त करना है। ओर यह तभी सम्भव है। जब हम हमारी जिम्मेदारी को पूर्ण रूप से निभाएंगे । सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पहुंच कर पूरी निष्ठा से प्रयास कर तो विजयश्री मिलना निश्चित है और भाजपा प्रचंड बहुमत से धार-महू लोकसभा चुनाव जीतेगी । साथ ही आप सभी को जनता तक ओर बूथ तक के कार्यकर्ता से जीवंत सम्पर्क हो जाएगा। भारतीय जनता पार्टी में पूरा संगठन चुनाव लड़ता हैं। संघठनात्मक विषयो के माध्यम से एवं केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की मूलभूत सुविधाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जनता से जुड़ने के अलावा भाजपा संगठन द्वारा समय समय पर कार्यकर्ताओ को मार्गदर्शन भी दिया जाता है ।

आयोजित बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कहा कि जिला पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, मंडल मोर्चा अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, जनप्रतिनिधियों एवं चुनाव की विशेष व्यवस्था में लगे। धरमपुरी विधानसभा की बैठक में विधानसभा प्रभारी मुकेश परमार, विधानसभा संयोजक महेंद्र महाजन, सह संयोजक रवि परिहार, विधानसभा के मंडल अध्यक्ष हुकुम वसुनिया, कमलेश मानवे, ओमप्रकाश कामदार, राकेश पटेल, जिला मंत्री पवन कुशवाह, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, सह मीडिया प्रभारी दीपकसिंह रघुवंशी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जय सूर्या, अंकित भावसार, सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक का संचालन रवि परिहार ने किया और आभार क्षेत्रीय विधायक कालू सिंह ठाकुर ने माना ।

हाथ बदलेगा हालात, अब नहीं चलेगी जुमलेबाजी की सरकार

कहा - कांग्रेस मीडिया समन्वयक राजेश तिवारी ने

देवास। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में देश की जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे जिस मे हर नागरिक के खाते में 15 लख रुपए देने का वादा ,काला धन वापस लाने का वादा, हर साल 2 करोड़ नौकरियां का वादा ,देश की सीमाओं की सुरक्षा का वादा ,महिलाओं की सुरक्षा का वादा, किसानों की आय दोगुनी करने का वादा, एम एसपी देने का वादा लेकिन दुर्भाग्य की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ झूठ और नफरती भाषण हीं देते रहे। देश के विकास के लिए धरातल पर कोई कार्य नहीं किया जिससे देश की जनता में घोर निराशा व्याप्त है ।और इस चुनाव में देश की जनता ने इस जुमलेबाज सरकार को बदलने का मन बना लिया है। उक्त बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया कोऑर्डिनेटर राजेश तिवारी ने एक पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहीं इस दौरान पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी श्री राजेंद्र मालवीय शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी पूर्व महापौर जय सिंह ठाकुर रेखा वर्मा प्रदीप चौधरी शोकत हुसैन जिला कांग्रेस प्रवक्ता कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर शर्मा प्रतिक शास्त्री राहुल पवार सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। इसी के साथ श्री राजेश तिवारी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले एक चुनावी जनसभा में मोदी जी ने अपने भाषणों के दौरान हिंदू मुस्लिम को लेकर अपमानजनक बातें कहीं है भारतीय जनता पार्टी में नारा दिया था की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ धीरे-धीरे यह नारा चेतावनी बदल गया कि बीजेपी वालों से बेटी बचाओ भाजपा नेताओं पर बलात्कार और योन शोषण के आरोप लगे और बीजेपी ने उनका संरक्षण देने का काम किया। मणिपुर में भाजपा शासित मुख्यमंत्री के शासनकाल में

जिस तरह से नरसंहार हुआ महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ कि देश के लिए शर्मसार करने वाली बात है महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़कों पर घूमाया गया और छोटे-छोटे मामलों पर ट्वीट करने वाले प्रधानमंत्री जी की जुबान पर ताला लग गया उनकी जुबान से एम मणिपुर का म शब्द तक नहीं निकला।

यह सर्वे विधि थे कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कई पेट्रोलियम पॉइंट पर अपना कब्जा कर लिया लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री लगातार यह बोलते रहे कि हमारी सीमा में ना कोई आया है ना कोई घुसा है हमारे देश की महान सेना जब चीनी घुस पेटियों को धकेल रही है जब यह वीडियो देश के सामने आया तब पता चला जबकि प्रधानमंत्री रक्षा मंत्री इस सत्य को नकारते रहे। दूसरी और आज मोदी जी बड़े जोर शोर से जनसभा में एक नारा प्रचारित कर रहे हैं कि अबकी बार 405 जबकि वास्तव में यह संविधान बदलने की सखी से बीजेपी की कई नेता और सांसद जनसभाओं में है स्वीकार कर चुके हैं कि हमारी 400 सिम आई तो हम संविधान बदल देंगे 400 सीट पर का जुमला सिर्फ झूठ है गांव में कुर्सियां बेचने वाले आते हैं तो वह 400 400 चिल्लाते हैं लेकिन अंत में सो डेढ़ सौ रुपए में देकर चले जाते हैं यही हाल बीजेपी के जुमले का भी है कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने स्पष्ट कह दिया कि कुछ भी हो जाए बीजेपी 150 पार नहीं जाने वाली। मोदी सरकार ने वादा किया था कि किसने ब्याह दोगुनी होगी एसपी दी जाएगी लेकिन वही किसान अपने मांगों के लिए जब दिल्ली आ रहे थे तब उनकी राहों में कीले बिछाई गई आंसू गैस के गोले छोड़े गए और सैकड़ो किसानो की जान गई।

पूरे देश में यह प्रसिद्ध है कि मोदी जी की सरकार मित्रों की सरकार है मोदी जी ने अपने चुनिंदा मित्रों का 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर दिया जो पैसा हिंदुस्तान के दर्द की दवा बन सकता था वह पैसा अडानी की हवा बनाने में लगा दिया। कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र में 5 न्याय की गारंटी प्रस्तुत की है पहली युवा न्याय, दूसरी किसान न्याय तीसरी नारी न्याय ,चौथी श्रमिक न्याय ,पांचवी हिस्सेदारी न्याय, देश का युवा आज अपना भविष्य देख रहा है यह मोदी जी के खोखले और नफरती की नारों से ऊब गया है। वह जैसे 2004 में शाइनिंग इंडिया की पोल खुल गई थी और यूपीए की सरकार बनी थी वैसे ही देश ने परिवर्तन का मन बना लिया है देश की जनता को मोदी जी झूठी गारंटी पर कोई विश्वास नहीं है देश का जनमानस राहुल गांधी जी के नेतृत्व में नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने चल पड़ा है।

बरगी नहरों से ग्रीष्मकालीन फसलों की सिंचाई के लिए जल लेने किसानों से 30 अप्रैल तक मांग पत्र आमंत्रित

नरसिंहपुर। वर्ष 2024 की ग्रीष्मकालीन फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने गोटेगांव, नरसिंहपुर एवं करेली तहसील के संबंधित ग्रामों के किसानों से 30 अप्रैल 2024 तक मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि नहरों से ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में मुख्य नहर की आरडी 81.30 से 130.670 किमी तक वितरण प्रणालियों में क्रमशः सिवनी डिस्ट्रीब्यूटरी, भदगवां शाखा नहर, गुंदरई, बम्हनी, मगरधा, अंडिया, सुरगी, कंदेली व रहली डिस्ट्रीब्यूटरी और मुख्य नहर 81.30 से 130.670 किमी के बीच डायरेक्ट माइनरों से लगभग 14 हजार 126 हेक्टर भूमि में निर्मित नहर प्रणाली से ग्रीष्मकालीन फसलों की सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर डिस्ट्रेट संभाग नरसिंहपुर श्री केएस ठाकुर ने दी है। इस सिलसिले में कार्यपालन यंत्री ने संबंधित ग्रामों के किसानों से आग्रह किया है कि वे जल उपभोक्ता संथा कुटरी, इमलिया, वेदू, गुंदरई, बम्हनी, मगरधा, बेलखेड़ा, तिंदनी, ठेमी, बौछार, मचवारा, करकबेल, धमना, मैनावारी, नवलगांव, नंदवारा, झगरहाई, सूरजगांव, लुरहेटा, बरखेड़ा, निवारी, खुरपा, समनापुर (प्रस्तावित) एवं गोबरगांव के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर उप संभाग क्रमांक एक नरसिंहपुर, क्रमांक एक पाला, वितरण अनुविभाग करकबेल/ बरहेटा को 30 अप्रैल 2024 के पूर्व तक मांग पत्र एवं अनुबंध पत्र प्रस्तुत करें।

कु.फरहीन खान ने 90 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की परीक्षा

- सदर मस्जिद कमेटी ने किया सम्मान, उज्ज्वल भविष्य के लिए बुजुर्गों ने दुआएं दी

बैतूल। नवीन विद्या मंदिर सदर की छात्रा कुमारी फरहीन खान ने कक्षा हाई स्कूल परीक्षा 90 फीसदी अंको के साथ उत्तीर्ण कर शाला एवं परिवार का नाम रोशन किया है। फरहीन ने सभी विषयों में विशेष योग्यता हासिल की है। होनहार छात्रा फरहीन सदर बैतूल निवासी सलीम खान की बेटी और इबरार कुरेशी की भांजी है। उनकी इस उपलब्धि पर सदर मस्जिद कमेटी ने बच्ची का सम्मान किया और उज्ज्वल भविष्य के लिए बुजुर्गों ने दुआएं दी। इस अवसर पर अज़ीज़ खान, तौफीक खान, हाफिज नूर मोहम्मद, अब्दुल फहीम, असलम खान, बबन भाई, वसीम खान, अब्दुल कबीर, एमडी खान उपस्थित थे।

वेदिका राठौर ने 81 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण की 10वीं की परीक्षा

बैतूल। शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल पाढर की छात्रा कु. वेदिका राठौर ने हाई स्कूल परीक्षा 81 फीसदी अंको के साथ उत्तीर्ण कर शाला एवं परिवार का नाम रोशन किया है। वेदिका ने सभी विषयों में विशेष योग्यता हासिल की है। होनहार वेदिका ग्राम खारी में पदस्थ शिक्षक रामेश्वर राठौर की सुपुत्री है। उनकी इस उपलब्धि पर शाला परिवार, ईष्ट मित्रों, परिजनों, स्वजातीय बंधुओं ने बधाई दी है।

राजस्व/पुलिस एवं नोडल अधिकारियों की संयुक्त बैठक 29 अप्रैल को

धार। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 से संबंधित विभिन्न विषयों सहित जिले में कानून व्यवस्था के दृष्टिगत राजस्व/पुलिस एवं लोकसभा आम निर्वाचन 2024 हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों की संयुक्त बैठक 29 अप्रैल को सायं 4-30 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की जावेगी।

जिला प्राधिकरण द्वारा किशोर न्याय अधिनियम पर कार्यशाला आयोजित

नरसिंहपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी के निर्देशानुसार किशोर न्याय (बालको की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर द्वारा किशोर न्याय बोर्ड में सेवाएं प्रदान करने वाले अधिवक्ताओं के लिए जिला स्तरीय कार्यषाला का आयोजन दिनांक 27.04.24 को एडीआर सेंटर के सभाकक्ष मे किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीष द्वारा उक्त कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रतिभागी अधिवक्ताओं को किषोर न्याय अधिनियम के प्रावधानो एवं किशोरों के प्रति अपनाई जाने वाली विधिक प्रक्रिया की समुचित जानकारी रखने पर जोर दिया। साथ ही अधिवक्तागण से विषय के प्रति संवेदनशील होने हेतु भी प्रेरित किया। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा प्रत्येक अधिवक्ता से उसके द्वारा किशोर न्याय

बोर्ड में प्रदान किए जा रहे विधिक पहलुओं के संबंध मे जानकारी भी प्राप्त की। संबोधन के पूर्व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री वैभव सक्सेना द्वारा स्वागत संबोधन एवं कार्यशाला पर आवश्यक जानकारी प्रदान की। आभार प्रदर्शन श्री राजेश सक्सेना जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा किया गया। उक्त कार्यशाला मे किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों एवं अन्य विधिक पहलुओं के संबंध मे आवश्यक जानकारी श्रीमती अंकिता श्रीवास्तव व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड द्वारा प्रदान की गई। इसके साथ ही कार्यशाला मे प्रतिभागी अधिवक्तागण द्वारा अपने अपने विचारो को साझा किया गया। कार्यशाला मे विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटी एवं नोडल अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री राजीव के. पाल की गरिमामयी उपस्थित रही। कार्यशाला में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री विष्णु श्रीवास्तव तथा प्रतिभागी अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

गर्मी में स्वस्थ्य रहें विषय पर परिचर्चा सम्मान समारोह व काव्यगोष्ठी

नरसिंहपुर। गर्मी में निरोग स्वस्थ कैसे रहें इस विषय को लेकर वरिष्ठ जन परिषद नरसिंहपुर की की ओर से राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने अपने अपने सुविचार रखे। मां की वंदना हनुमान चालीसा पाठ से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। ओ.पी.स्वामी,आर के नेमा, यू.एस उपाध्याय,सी पी मिश्रा,एम एल हरदेनिया अशोक वर्मा व बी एस पटेल ने धूप से बचाव हेतु कारगर सुझाव दिये।जी के चतुर्वेदी,प्रेमशंकर राघव,डी डी गोस्वामी मदन श्रीवास्तव सहित डा.महेश त्रिपाठी ने आहार विहार निद्रा सहित व्यवस्थित दिनचर्या अपनाकर स्वस्थ्य रहने का मंत्र

दिया। एस के चतुर्वेदी,सी.बी शर्मा, हरिश्चंद्र साहू,विजय शर्मा अशोक सोनी सर ने पशु पक्षियों को पानी पिलाने की बात करते हुये जल संरक्षण पर बल दिया। कविवर अशोक त्रिपाठी ने गर्मी में तरोताजा जल भोजन लेने की सलाह देते हुए लू से बचने की हिदायत दी।पेड़ पौधे की देख देख सहित योगा ध्यान और सत्कर्म पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम के दूसरे दौर में सम्मान समारोह व काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। हमेशा हंसमुख विंदास रहने वाले वरिष्ठ सदस्य हरिश्चंद्र साहू का परिषद द्वारा शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया।डा महेश त्रिपाठी पं.सी पी मिश्रा,सी.बी शर्मा, अशोक वर्मा मदन श्रीवास्तव और चिरपरिचित कवि अशोक त्रिपाठी ने उक्त अवसर पर गरिमामय काव्यपाठ करते हुये खुशहाल आनंदमयी जिंदगी जीने का संदेश दिया।

मनमुटाव के बाद अलग हो गए थे पति-पत्नी, पुलिस ने समझाईश देकर टूटने से बचाए दो घर

रीठी (नप्र)। पति से आपसी मनमुटाव के चलते पत्नी के मायके चले जाने और वापस ससुराल नहीं आने की जिद की जानकारी पुलिस के मिलने पर रीठी पुलिस ने न सिर्फ पत्नी और पति को समझाकर दोनों के बीच सुलह कराई बल्कि पत्नी को पति के साथ ससुराल भी भिजवाया। रीठी थाना प्रभारी राजेन्द्र मिश्रा ने बताया कि 27 अप्रैल 2024 को पति-पत्नी का मामूली विवाद का पता चला तो उन्होंने चौकी इंचार्ज को तत्काल जांच कर उचित कार्रवाई के लिए कहा। चौकी सलैया में पदस्थ पुलिस कर्मियों ने समझाइश देकर दो परिवार को मिलवाया गया है। दरअसल, जनक सिंह पटेल निवासी अमगवां ने अपनी पुत्री विजिया पटेल निवासी अमगवां की शादी 5 जून 2022 को विनय पटेल पिता अर्जुन पटेल निवासी बसेडी से सामाजिक रीति रिवाज से की थी। विजिया और विनय के बीच हल्का मनमुटाव होने से विजया मार्च माह मे अपने मामा चंदन पटेल के साथ अमगवां आ गई थी, तब से मायके से ससुराल बसेडी नहीं जा रही थी। विनय पटेल अपनी पत्नी विजिया पटेल को लेने अमगवां आया तो उसके सास-ससुर ने भेजने से इंकार कर दिया, तब विनय पटेल ने चौकी सलैया में सूचना देकर पुलिस से मदद मांगी।

बालाघाट की भाजपा कैंडिडेट भारती ने खर्च किए 63.81 लाख

पहले-दूसरे चरण के प्रत्याशियों ने सौंपा हिसाब; नकुलनाथ-बंटी के खर्च से चुनाव आयोग संतुष्ट नहीं

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में दो चरणों में 12 लोकसभा सीट पर मतदान हो चुका है। चुनाव के बाद इन सीट के अधिकांश प्रत्याशियों ने चुनावी खर्च की तीसरी रिपोर्ट निर्वाचन आयोग को सौंप दी है। जिसमें सामने आया है कि बालाघाट से भाजपा प्रत्याशी भारती पारधी ने सबसे ज्यादा राशि खर्च की है। उन्होंने अपना चुनावी खर्च 63.81 लाख रुपए बताया है। जबकि उनके सामने चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सरस्वार ने 30 लाख रुपए का हिसाब दिया है। वहीं, छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ और भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू के चुनावी खर्च ब्यौरे से चुनाव आयोग संतुष्ट नहीं है। नकुलनाथ ने जहां चुनाव में 44.18 लाख रुपए खर्च का हिसाब दिया है। वहीं, विवेक बंटी साहू ने 25.38 लाख रुपए खर्च होना बताया है। चुनाव आयोग का कहना है कि नकुलनाथ ने कुल खर्च से 17 लाख रुपए कम खर्च होना बताया है। इसी तरह विवेक बंटी साहू ने भी कुल खर्च से 10.29 लाख रुपए कम का हिसाब दिया है। बता दें, प्रदेश के सीधी, शहडोल, मंडला, जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को वोटिंग हुई। वहीं, दमोह, टीकमगढ़, सतना, रीवा, खजुराहो और होशंगाबाद सीट पर 26 अप्रैल को वोटिंग हो चुकी है। इन सीट पर प्रत्याशियों ने 2 से 3 चुनावी खर्च रिपोर्ट एक्सपेंडिचर आब्जर्वर्स को सौंपी है। कुछ सीट पर अभी कांग्रेस और बीजेपी के कैंडिडेट्स के अलावा बाकी उम्मीदवारों की रिपोर्ट आना बाकी है।

विवेक बंटी साहू का खर्च आयोग ने 36.18 लाख माना: छिंदवाड़ा से भाजपा उम्मीदवार विवेक बंटी साहू ने भी चुनावी खर्च का ब्यौरा सौंपा है। उन्होंने 25 लाख रुपए से अधिक की राशि खर्च होना बताया। कहा- चुनावी सभा में 90 हजार रुपए और वाहन खर्च के रूप में 5.95 लाख रुपए का खर्च किया गया। जबकि चुनाव आयोग ने 36.18 लाख का खर्च माना है। इस तरह चुनाव प्रेक्षक और बीजेपी प्रत्याशी के हिसाब में 10.29 लाख रुपए का अंतर है।

नकुलनाथ ने वाहनों पर खर्च किए 35 लाख रुपए

छिंदवाड़ा के कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने जिला निर्वाचन अधिकारी को चुनावी हिसाब सौंपा है। उन्होंने चुनाव में 44.18 लाख रुपए खर्च होना बताया है। इसमें सबसे ज्यादा 35 लाख रुपए से अधिक का खर्च वाहनों पर किया गया। 6 लाख रुपए चुनावी सभाओं पर खर्च हुए। हालांकि, खाने-पीने को लेकर हुए खर्च की जानकारी नहीं दी गई। नकुलनाथ के इस ब्यौरे पर चुनाव आयोग संतुष्ट नहीं है। व्यय प्रेक्षक ने अपनी टीप में लिखा है कि नकुलनाथ ने 66.38 लाख रुपए खर्च किए हैं। यानी नकुलनाथ के दिए ब्यौरे और चुनाव आयोग के हिसाब में 17.20 लाख रुपए का अंतर है।

मंडला से कुलस्ते ने दिया 40 लाख रुपए का हिसाब

मंडला से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने 40 लाख रुपए का हिसाब देते हुए कहा है कि यह राशि हेलीपैड, वाहनों के खर्च के रूप में है। इसके अलावा मंडला लोकसभा क्षेत्र के अलग-अलग स्थान पर हुई चुनावी सभाओं, पंपलेट में भी खर्च होना बताया गया है। सबसे अधिक खर्च मंडला और डिंडोरी में गाड़ियों पर ही होना बताया गया है। इनके द्वारा भी चुनावी खर्च में खाने पीने की वस्तुओं का जिक्र नहीं किया गया है।

वीडी शर्मा ने सबसे ज्यादा वाहन खर्च बताया: बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो से भाजपा प्रत्याशी वीडी शर्मा ने 35.66 लाख रुपए का चुनावी खर्च बताया है। जिसमें उन्होंने झंडा, हेलीकॉप्टर लैंडिंग फीस, एंबुलेंस, फायर वाहन शुल्क, बैरिकेडिंग शुल्क, वाहन व्यय और चुनावी सभा के खर्च का जिक्र किया है। सबसे अधिक खर्च वाहनों की बुकिंग में होना बताया गया है। विवरण में गद्दा, कुर्सी, पानी, चादर के खर्च का जिक्र भी किया है। हालांकि, खाने पीने की वस्तुओं का जिक्र नहीं है। खर्च में पार्टी कार्यालय पर अलग-अलग स्थान में हुए खर्च भी शामिल है।

ग्वालियर सीट से भाजपा प्रत्याशी ने भी दिया ब्यौरा: तीसरे चरण की ग्वालियर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह ने अपना खर्च 12.63 लाख रुपए बताया। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक ने 20.13 लाख रुपए खर्च बताया है। वहीं, भोपाल लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अरुण श्रीवास्तव अपनी एक रिपोर्ट दे चुके हैं। यहां से बीजेपी प्रत्याशी आलोक शर्मा ने अभी कोई रिपोर्ट नहीं दी है। तीसरे चरण में शामिल गुना, भिंड, सागर, मुरैना लोकसभा सीट में अभी प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने चुनाव खर्च का ब्यौरा नहीं दिया है।

ट्रांसफार्मर पर लटका मिला किसान का जला हुआ शव

ग्रामीण बोले-कोई बांध के लटका गया

खंडवा (नप्र)। ट्रांसफार्मर पर एक युवा किसान का शव देखकर गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने कहा कि किसी ने उसे ट्रांसफार्मर पर बांध दिया था। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला हादसा प्रतीत हो रहा है, फिलहाल जांच की जा रही है। घटना पिपलोद थाना क्षेत्र के ग्राम गरणगांव की है। यहां गांव के पास डीपी पर ग्राम के किसान जितेंद्र पुत्र राम कृष्ण का शव शनिवार को देखा गया। स्वजन ने बताया कि जितेंद्र देर रात घर से खेत पर मूंग की फसल में सिंचाई करने गया था। लेकिन सुबह ग्रामीणों को ट्रांसफार्मर पर शव लटका दिखा। करंट से शव पूरी तरह जल गया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम कराया है।

घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़

युवक की मौत की खबर लगते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। स्वजन सहित अन्य ग्रामीण तरह-तरह की चर्चा कर युवक के हाथ बांधकर डीपी पर लटकाने की आशंका जाहिर करते नजर आए। हालांकि मृतक का गांव में किसी से कोई विवाद भी नहीं था। इसलिए भी कुछ लोग इस घटना को हादसा भी बता रहे थे। मृतक युवक का एक तीन वर्षीय बालक भी है। लोगों ने यह भी संभावना जताई कि वह रात में लाइट ट्रिप मारने पर डीपी पर चढ़ा हो और करंट की चपेट में आने से हादसे का शिकार हुआ।

मायावती बोलीं- कांग्रेस-बीजेपी एक, इन्होंने बसपा को तोड़ा

मुरैना में कहा-गलत नीतियों के कारण कांग्रेस सत्ता से बाहर; बीजेपी चहेतों को मालामाल बना रही

मुरैना (नप्र)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने मुरैना में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने बीजेपी और कांग्रेस को एक बताया। कहा कि उत्तरप्रदेश में चार बार बीएसपी के नेतृत्व में सरकार बनी।

जब चौथी बार अकेले बलबूते हमारी सरकारी बनी, तब कांग्रेस, बीजेपी और दूसरी जातिवादी पार्टियों ने एक होकर बीएसपी को कमजोर करने के लिए रास्ता निकाला। इन्होंने स्वार्थी और बिकाऊ किस्म के लोगों को तोड़ा। इन्हें आगे कर छोटे संगठन बनवा दिए और बीएसपी के मुकाबले में ले आए। उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा, ग्वालियर में भी एक-दो ऐसे स्वार्थी और बिकाऊ लोग हैं, जिहोंने कांग्रेस और बीजेपी का मकसद पूरा किया। जब लगा कि बीएसपी कमजोर हो गई, तब कभी कांग्रेस तो कभी बीजेपी का दामन थाम लिया। ये बात बाबा साहेब की करते हैं, काम गांधी जी का करते हैं। इनसे सावधान रहना है।

कांग्रेस की तरह बीजेपी ने जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण किया

यूपी की पूर्व सीएम ने कहा- कांग्रेस की तरह ही बीजेपी ने भी केंद्र की तमाम सरकारी जांच एजेंसी का राजनीतिकरण कर दिया है। पूर्व कांग्रेस सरकार की तरह ही भाजपा सरकार में जातिवादी, सांप्रदायिक, पूंजीवादी सोच और नीतियां हैं। धर्म की आड़ में, हिंदुत्व की आड़ में ज्यादती चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। खासकर मुस्लिम समाज के लोगों का शोषण और उत्पीड़न किया जा रहा है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा, ये बीमारी उत्तरप्रदेश में भी है। जहां बीएसपी मजबूत है, वहां विरोधी पार्टियां इस तरह का षड्यंत्र रच रही हैं। मायावती ने मुरैना शहर के मेला मैदान में रविवार को ग्वालियर, मुरैना और भिंड लोकसभा से बसपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा। इससे पहले 19 अप्रैल को उन्होंने रीवा में सभा की थी।

गलत नीतियों के कारण कांग्रेस सत्ता से बाहर: मायावती ने कहा- आजादी के बाद केंद्र और देश के अधिकांश राज्यों में सत्ता कांग्रेस के हाथ में केंद्रित रही है। दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग विरोधी गलत नीति और कार्यप्रणाली की वजह से कांग्रेस को केंद्र और काफी राज्यों की सत्ता से भी बाहर होना पड़ा है। यही स्थिति इनकी सहयोगी पार्टी की भी रही। इस कारण ही फिर बीएसपी को बनाने की जरूरत पड़ी।

बीजेपी सत्ता में वापस आने वाली नहीं, बशर्ते- गड़बड़ी न हो: बसपा सुप्रीमो बोलीं- बीजेपी और इसके सहयोगी दल केंद्र और अधिकांश राज्यों की सत्ता में काबिज हो गए हैं। इनकी जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रदायिक और द्वेषपूर्ण नीतियां हैं। कथनी-करनी में अंतर है। अब ऐसा लगता है कि इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस आने वाली नहीं है, बशर्ते चुनाव फ्री एंड फेयर हो, मशीन में गड़बड़ी नहीं की जाए।

प्रहलाद पटेल बोले-

कांग्रेस ने एससी,एसटी, ओबीसी के आरक्षण पर डाका डाला

- ओबीसी कमीशन को कांग्रेस ने संवैधानिक दर्जा इसलिए नहीं दिया ताकि राज्य मनमानी कर सकें

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। भोपाल में बीजेपी के स्टेट मीडिया सेंटर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रहलाद पटेल ने कहा- कांग्रेस पार्टी और उसके नेता लगातार आरक्षण विशेषकर पिछड़े वर्ग के आरक्षण के बारे में उनकी जो मंशा रही है वो देश के सामने आ गई है। आजादी के बाद से कांग्रेस ने दो ही रास्ते तय किए थे। उसमें तुष्टिकरण और बहुसंख्यक समाज के प्रति उनके दुराव का जो लक्ष्य था। बहुसंख्यकों के खिलाफ कांग्रेस की मंशा बहस का मुद्दा बनी है।

ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया: पटेल ने कहा- 11 अगस्त 2018 हमारे लिए बहुत ही ऐतिहासिक तारीख है। जिस दिन मोदी सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया था। क्योंकि जो मंशा कांग्रेस की थी उसका ये सबसे बड़ा प्रमाण है कि संविधान में उल्लेख होने के बाद भी कांग्रेस ने 2018 तक इसका इंतजार किया कि मोदी जी सरकार बनेगी, और वो उस कमीशन को संवैधानिक दर्जा देंगे। कमीशन 1993 में बना लेकिन उसे संवैधानिक मान्यता नहीं मिली। उसके पीछे मैं एक षड्यंत्र देखता हूं। ताकि राज्य मनमर्जी से अपने आयोग बनाकर जो चाहें वो करते रहें। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा- 1993 में पिछड़ा वर्ग कमीशन बनने के बाद भी 2004 में कांग्रेस की आंध्र प्रदेश की सरकार ने जहां मुस्लिम आबादी कुल 9.5 प्रतिशत थी वहां 7 से 10 प्रतिशत आरक्षण देने की कोशिश की। वो बात अलग है कि आंध्र हाईकोर्ट ने उसे इनकार कर दिया। फिर उन्होंने 2005 और 2006 में प्रयास किया। वो मामला अभी तक सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है।

भाजपा की सरकार जब आई थी तो धर्म आधारित आरक्षण को खत्म किया गया था। जैसे ही सरकार बदली फिर से उस प्रदेश पर उस परिस्थिति को लाद दिया। अब ये बात सही है कि संवैधानिक दर्जा पिछड़ा वर्ग आयोग को है तो उसने वहां के मुख्य सचिव को नोटिस दिया है।

पटेल ने कहा- कांग्रेस की सरकारों को पिछड़ों के आरक्षण को खाने की छूट मिली हुई थी। चाहे वो केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र हो। कांग्रेस ने अकेले पिछड़ों के आरक्षण पर डाका नहीं ड़ाला। बल्कि एससी, एसटी और पिछड़े सभी वर्ग के आरक्षणों पर डकैती की है। उसका सबसे बड़ा उदाहरण है अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का, जहां कोर्ट के आदेश के विरुद्ध एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को समाप्त किया गया।

लेडी डांसर के साथ लगाए ठुमके, एएसआई सस्पेंड

- 3 वीडियो वायरल होने पर एक्शन
- सरकारी आवास पर कब्जे के आरोप भी लग चुके

सतना (नप्र)। मैहर जिले के रामनगर थाने में पदस्थ एएसआई ने वर्दी में लेडी डांसर के साथ ठुमके लगाए। जोश में आकर उन्होंने स्टेज पर मौजूद एक शख्स को गोद में उठा लिया। वीडियो सामने आने के बाद मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल ने शनिवार को एएसआई सुशील अहिरवार को सस्पेंड कर दिया। मामले की जांच एसडीओपी अमरपाटन शिवकुमार सिंह को सौंपी है। बीती 21 अप्रैल को हिनौता गांव में

गुलाब सिंह के यहां तिलक समारोह था। कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक सुशील अहिरवार कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। यहां डांसर भी बुलाई गई थी। वह जब भोजपुरी गानों पर डांस कर रही थी, इसी दौरान एएसआई भी स्टेज पर आ गए। वो वर्दी में थे। कमर पर रिवॉल्वर लटकाकर डांसर के साथ नाचने लगे। वहां मौजूद लोगों ने उनका वीडियो बना लिया एएसआई ने डांस करने के दौरान स्टेज पर मौजूद एक व्यक्ति को गोद में उठा लिया।

चुनाव ड्यूटी छोड़कर बारात में चले गए थे: एएसआई के तीन वीडियो वायरल हो रहे हैं। डांस के वीडियो के अलावा दो वीडियो मतदान के ठीक पहले 25 अप्रैल की रात के हैं। सुशील अहिरवार की ड्यूटी लोकसभा चुनाव के लिए बनाई गई स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) में लगाई गई थी। लेकिन वे चुनाव ड्यूटी छोड़कर 25 अप्रैल को रीवा के मनगवां क्षेत्र में बारात में शामिल होने चले गए थे।

सागर में बंडा विधायक की कार पर पत्थर से हमला

जिस साइड बैठे थे, वहां का कांच फूटा; शादी से लौट रहे थे वीरेंद्र लोधी

सागर (नप्र)। सागर की बंडा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी की कार पर रात 9 बजे पत्थर से हमला हुआ। कार के आगे का कांच फूट गया। घटना बरायठा थाना इलाके की है। विधायक शादियों में शामिल होकर लौट रहे थे। हमला करई गांव में सिलोट नदी के घाट के पास किया गया। विधायक ने अज्ञात हमलावर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। रात में उनके समर्थक भी थाने पहुंच गए थे। विधायक वीरेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि वे शनिवार को विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में शादियों में शामिल होने गए थे। बगरोई, रिछाई, शाहगढ़ की शादियों में शामिल होकर वापस बंडा लौट रहे थे।

जबलपुर समेत 5 जिलों में आज ओले गिरने का अलर्ट

एमपी में 2 दिन हल्की बारिश, फिर तेवर दिखाएगी गर्मी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में बैतूल, जबलपुर, मंडला, डिंडौरी और शहडोल में ओले गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने इन जिलों में गरज - चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। देवास और रायसेन के पूर्वी हिस्से में भी मौसम बदला रहेगा। आज सुबह से भोपाल में धूप और बादल हैं। नर्मदापुरम, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, नरसिंहपुर, बालाघाट, अनूपपुर के अमरकंटक, दमोह, कटनी, उमरिया, सीधी, सिंगरौली, खंडवा के ओंकारेश्वर और खरगोन के महेश्वर में भी मौसम बदला हुआ है। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से- मालवा-निमाड़, ग्वालियर, चंबल में गर्मी का असर है। भोपाल की सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और ट्रफ लाइन भी गुजर रही है। इस वजह से प्रदेश में बारिश हो रही है। इस वजह से 29 अप्रैल को भी प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की बारिश का अनुमान है। इसके बाद तापमान में बढ़त होने लगी।

कब-कहां बारिश के आसार

29 अप्रैल- छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट और मंडला में हल्की बारिश हो सकती है।

खंडवा में आकाशीय बिजली गिरने से पंचायत सचिव समेत दो की मौत: खंडवा के पंधाना क्षेत्र में तेज हवा के साथ बारिश हुई। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो लोग चपेट में आ गए। बिजली गिरने से एक पंचायत सचिव और किसान की मौत हो गई। घटना खंडवा-पंधाना रोड पर खैगांवड़ा में हुई। पंधाना की तरफ से अपने गांव बोरगांव खुर्द लौट रहे बाइक सवार लछीराम पटेल और तिलकचंद पटेल पर आकाशीय बिजली गिर गई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। लछीराम पटेल बड़गांव गुर्जर ग्राम पंचायत में सचिव थे। दोनों की मौत के बाद गांव में मातम पसर गया है।

लगातार 8 दिन से बारिश

अप्रैल में बारिश के कई रिकॉर्ड टूटे। भोपाल में करीब पौने 2 इंच बारिश हो गई। वहीं, अप्रैल में लगातार 11 दिन तक बारिश होने का रिकॉर्ड भी बना है। 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक प्रदेश में लगातार बारिश हुई है। अब फिर से प्रदेश भीग रहा है। पिछले सात दिन से बारिश हो रही है। 28-29 अप्रैल तक बारिश होने का अनुमान है। दूसरे सिस्टम से लगातार आठ दिन तक बारिश हो चुकी है।

बोचरो गांव में आतंक फैलाने वाले बाघ का रेस्क्यू कर भेजा संजय गांधी टाइगर रिजर्व

शहडोल(नप्र)। जिला प्रशासन के निर्देश पर वन विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को उस आदमखोर बाघ का रेस्क्यू कर लिया जो आए दिन ग्राम बोचरो एवं आसपास के रहवासियों के लिए खतरा बना था और उनके मवेशियों का शिकार करता था। संजय गांधी टाइगर रिजर्व के उपवन मंडल अधिकारी नरेंद्रवि ने बताया कि शनिवार को शाम लगभग 5 बजे संजय गांधी टाइगर रिजर्व के तीन हाथियों एवं वन विभाग की रेस्क्यू टीम के द्वारा बाघ का रेस्क्यू किया गया है। बाघ ब्यौहारी क्षेत्र के कई गांव में आतंक का पर्याय बन चुका था, जिससे ग्रामीणों में भय एवं का माहौल बना हुआ था।एसडीओ रवि ने बताया कि ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के गोइंदर बीट में बाघ का रेस्क्यू किया गया है। बाघ का मूवमेंट अधिक था लेकिन रेस्क्यू टीम द्वारा सर्चिंग किए जाने के दौरान बाग गोइंदर बीट में पाया गया जिसे टाइगर रिजर्व के तीन हाथियों की मदद से रेस्क्यू कर संजय गांधी टाइगर रिजर्व ले जाया गया है । बाघ के रेस्क्यू किए जाने के बाद क्षेत्रीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। और विभागीय अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।